Creation Autonomous Academy

प्रबंधन

लेखक

डॉ0 रामराज डेविड

आभार

सर्वप्रथम मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं कि उसने मुझे अपनी बुद्धि और समझ प्रदान की कि मैं प्रबंधन पर कुछ लिख सकूं। तत्पश्चात मैं अपने शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे इतनी गहनता से वचन की शिक्षा प्रदान किया। जिन्होंने मुझे यह पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया। में उन सभी व्यक्तियों का आभारी हूं जिन्होंने पुस्तक के लेखन, संशोधन, टाइपिंग, और अंतिम रुप देने में, मुझे सहयोग प्रदान किया। उन मित्रों का भी मैं आभारी हूं जिनका स्नेह और सहयोग मुझे हमेंशा मिलता रहा।

Creation Autonomous Academy

लेखक का प्राक्कथन

आज के समय में कलीसिया में प्रभावशाली नेतृत्व की अत्यंत आवश्यकता है। यह सेवा अधिक समय की मांग करती है।

ऐसी स्थिति में इस विषय पर हिन्दी में बहुत कम सामग्री उपलब्ध है। जो कुछ उपलब्ध है भी वह नगन्य है और आम अगुवों की पहुंच से बाहर है।

यह अध्ययन इस बात पर ध्यान केन्द्रित करेगा कि किस प्रकार पवित्र आत्मा की अगुवाई में परिश्रम पूर्वक सही प्रकार से कलीसिया की व संगठनों की सही तरीके से अगुवाई किया जाए । लेखक ने स्वयं नेतृत्व करते हुए विभिन्न बातों का अनुभव किया है। जिनको इस अध्ययन में शामिल किया है।

‘ प्रभावशाली नेतृत्व ’ नामक यह पुस्तक अनेक वर्षों के अध्ययन-अध्यापन एवं अगुवाई के अनुभव के उपरान्त हिन्दी भाषी अगुवों की आवश्यकता के अनुसार तैयार की गयी है। यह पुस्तक अगुवों की सेवा में मार्गदर्शन के लिए लिखी गयी है। ताकि कलीसिया के विश्वासियों एवं अगुवों की आवश्यकता के अनुसार अगुवाई किया जा सके । यह पुस्तक सभी पाठकों के लिए सरल, रोचक एवं व्यवहारिक है। पुस्तक में उदाहरणों का समुचित प्रयोग किया गया है।

मेरी इच्छा है कि भारतीय अगुवे इस पुस्तक से सहायता प्राप्त करें। सही व्यवहारिक प्रभावशाली नेतृत्व हेतु इस पुस्तक का उपयोग करें। मैं वस्तुतः इस पुस्तक को प्रस्तुत करने के द्वारा पाठकों से यह आशा करता हूं कि वे इसका भरपूर उपयोग अपनी कलीसियाओं, संगठनों एवं अगुवों की अगुवाई की सेवा में करेंगे।

डॉ० रामराज डेविड

Creation Autonomous Academy

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
आभार	2
लेखक का प्राक्कथन	3
भूमिका	5
अध्याय 1-अगुवाई करने के लिए परमेश्वर की बुलाहट	7
अध्याय 2-उत्कृष्टता	11
अध्याय 3-मुझे दर्शन प्राप्त है।	14
अध्याय 4-प्राथमिकता तय करना और निर्णय लेना	18
अध्याय 5-अगुवाई में लोगों के अन्दर हुनर विकसित करना	21
अध्याय 6-रणनीतिक योजना बनाना	24
अध्याय 7-दर्शन और रणनीति	27
अध्याय 8-टीम वर्क और कम्युनीकेशन	35
अध्याय 9-कार्य कलाप और जाँच	49
अध्याय 10-व्यक्तिगत विश्वासयोग्ता	62
ग्रन्थावली	69

Creation Autonomous Academy

भूमिका

भारत में विश्वासियों, कलीसियाओं, संगठनों, इन्स्टीट्यूसनों व प्रतिष्ठानों की संख्या बढ़ रही है। उसी अनुपात में अगुवों की आवश्यकता है। वे अगुवे जो कलीसिया, संगठनों एवं अगुवों की सही तरीके से अगुवाई कर सकें। वे अगुवे जो परमेश्वर की आवाज सुनकर अगुवाई करने वाले हों। वे अगुवे जो परमेश्वर प्रदत्त बुद्धि का उपयोग करते हुए अगुवाई कर सकें।

बाइबल के समय में दो प्रकार के अगुवे पाए गए हैं। इब्राहीम, युसुफ, मूसा, यहोशू, दाऊद, दानिय्येल, पतरस, यूहन्ना, याकूब, पौलुस इत्यादि परमेश्वर की इच्छानुसार अगुवाई करने वाले अगुवे। बिलाम जैसे झूठे अगुवे। आज भी कलीसिया एवं संगठनों में यही स्थिति है। सही तरीके से अगुवाई करने वाले अगुवे और झूठे अगुवे। सही चरवाहे और दुष्ट चरवाहे।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए आज अगुवों को तैयार करने की आवश्यकता है। अगुवों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। उनका मार्गदर्शन करने की आवश्यकता है। उनकी सही दिशा में अगुवाई करने की आवश्यकता है। उनकी देखरेख की आवश्यकता है। उनको व्यवहारिक तरीके से सिखाने की आवश्यकता है।

एक सेवक अगुवे की आवश्यकता है। जो सेवा कराने नहीं बल्कि सेवा करने के लिए तैयार हो। विश्वासयोग्यता पूर्वक सेवा करें। बिना घमण्ड किए लोगों की अगुवाई करे। अपनी अगुवाई के द्वारा परमेश्वर को महिमा देने वाला अगुवा हो।

यह अध्ययन इस बात पर ध्यान केन्द्रित करेगा कि कैसे एक परमेश्वर की इच्छा अनुसार अगुवाई करने वाला अगुवा तैयार किया जाए। जो परमेश्वर से प्राप्त दर्शन के अनुसार लोगों की अगुवाई कर सके। सही रणनीति और कार्यनीति अपनाकर अगुवाई कर सके। सही निर्णय लेकर और सही निर्णय लेने में मार्गदर्शन करके अगुवाई प्रदान कर सके। वचन के अनुसार एवं वर्तमान आवश्यकता के अनुसार अगुवाई कर सके। अगुवाई करने की अपनी बुलाहट को सही तरह से समझ सके। इस अध्ययन द्वारा सीख कर अपनी टीम की सही तरीके से अगुवाई कर सके।

अगुवा अपनी टीम के साथ हमेंशा खड़ा रहे। टीम का मार्गदर्शन करें। टीम की सेवा में निरन्तर अगुवाई करता रहे। अपनी टीम के सदस्यों से भलीभाँति परिचित हो। अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को जानता हो। वह अपनी टीम की प्रत्येक परिस्थिति में अगुवाई कर सके। टीम की सहायता कर सके। टीम का सही समय पर सही उपयोग कर सके। टीम को हमेंशा उन्नत करता रहे। टीम से प्रेम करे एवं सदस्यों की एक दूसरे से प्रेम करने में उनकी सहायता करें। एक साथ मिलकर कार्य करने में

Creation Autonomous Academy

उनकी अगुवाई करे। टीम के सदस्यों के सामने लक्ष्य को स्पष्ट करता रहे। लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु कदम उठाता रहे। दर्शन को हमेंशा टीम सदस्यों को स्पष्ट रुप से बताता रहे। टीम की विजय प्राप्त करने में अगुवाई कर सके। उसके नेतृत्व में टीम विजय प्राप्त कर सके। टीम उसके नेतृत्व पर भरोसा कर सकें।

क्या आपको ऐसे ही अगुवे की तलाश है। तो यह पुस्तक आपके लिए ही है। कुछ समय इसके अध्ययन में लगाइए। यह एक अच्छे अगुवे बनने की तरफ आपका मार्गदर्शन करेगी। स्वयं आशीषित हों औरों को आशीषित करें।

Creation Autonomous Academy

अध्याय- 1

अगुवाई करने के लिए परमेश्वर की बुलाहट

प्रश्नः1 - सांसारिक अगुवा और मसीही अगुवा में क्या अन्तर है ?

सांसारिक अगुवा	मसीही अगुवा
1. धन सम्पत्ति की प्राथमिकता	1. अनन्त जीवन प्राप्ति की प्राथमिकता
2. अपना स्वार्थ	2. दूसरों के हित की चिंता
3. प्रेम नहीं	3. दूसरों के प्रति प्रेम होता है
4. अपनी डफली अपना राग	4. मसीह की डफली मसीह का राग
5. गलत सोच विचार	5. सही सोच–विचार
6. मनुष्य चुनता है	6. परमेश्वर चुनता है।

Creation Autonomous Academy

अगुवाई करना बाइबल का विचार है। इसमें परमेश्वर का तरीका हैः कि हम उसके लोगों की अगुवाई करें। परमेश्वर जो कि जगत की उत्पत्ति के समय से पहले चुन लिया था। माँ के गर्भ में रचने से पहले हमारे नाम से हमें जानता था, जब परमेश्वर ने हमें सेवा करने के लिए बुलाया।

प्रश्न : 2 क्या हमारा जन्म अगुवाई करने के लिए हुआ ?

उत्तर : उत्पत्ति 1:26

शासन -करना (अधिकार दिया अगुवाई का)

परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरुप और अपनी सामानता में बनाएँ और वे समुद्र की मछलियों और आकाश के पक्षियों और घरेलू पशुओं और सारी पृथ्वी पर और सब रेंगने वाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते है प्रभुता करें (अधिकार रखें)

1. प्राण में लहू होता है और लहू में प्राण होता है।

शरीर ,प्राण ,आत्मा

1 मनुष्य को परमेश्वर ने-शरीर, प्राण, आत्मा दिया।

2 जीव जन्तु (जलचर, थलचर नभचर); में शरीर प्राण होते हैं। इनमे आत्मा नहीं होता ।

क- परमेश्वर के स्वरुप में बनाए जाने का अर्थ है कि अगुवाई करें।

ख- परमेश्वर ने पूरे संसार के ऊपर मनुष्य को अधिकार दिया कि उनकी अगुवाई करे।

ग- परमेश्वर ने जब हमें अगुवाई के लिए बुलाया तो उसने हमें वैसे ही योग्यता भी प्रदान की।

2 - अगुवाई करने के लिए परमेश्वर की आज्ञा (निर्गमन 3:11-13)

मूसा का पाँच बहाना (परमेश्वर की सेवकाई में)

1. मैं कौन हूँ ? (निर्गमन 3:11)

Creation Autonomous Academy

2. आप कौन हैं ? (निर्ग० 3:13)

उत्तर : (नाम)

3. अगर वे मुझे न सुनें तो? (निर्ग० 4:1)

उत्तर : (चिन्ह)

4. मैं बोलने में निपूण नहीं हूँ। ? (निर्गमन 4:10)

उत्तर : (तेरे मुँह के संग)

5. कृपया किसी और को भेजें (निर्ग० 4:13)

उत्तर : (हारुन को साथ में भेज रहे हैं)

राजकुमार

40 वर्ष उच्च शिक्षा

राजमहल की सारी जानकारी है।

→ जब आप सेवकाई करने के लिए जाते हैं तो आपको सारी जानकारी होना चाहिए।

3- अगुवाई करने के लिए अगुवों में कुछ आवश्यक गुण होना चाहिए। :-

1) अगुवा संसार की आवश्यकता को पहचानने वाला होना चहिए।:-

न्यायियों के काम : ओत्नीएल को चुना गया इस्राएलीयों के लिए उसने कार्य किया।

अरमन हरैग नाम वर्तमान में - मेसोपोटामिया के नाम से अब जाना जाता है। (3:11)

अगुवों का काम - लोगों की आवश्यकता को देखना

उसे लागू करे।

2) अगुवों के अन्दर कुछ वरदान होना चाहिए।

आवश्यकता के अनुसार वरदान भी होना चाहिए

Creation Autonomous Academy

हम उस आवश्यकता को तभी पूरा कर सकते है। जब हमारे अन्दर वरदान हो। चुनौती हो।

3) अगुवों के अन्दर कार्य के लिए एक इच्छा होनी चाहिए:-

इच्छा का अर्थ है हार्दिक इच्छा । आवश्यकता के कार्यों को करने के लिए हमारे पास हार्दिक इच्छा होना आवश्यक है। चाहे कोइ करे या न करे हम करेंगे।

4) अगुवे लोगों को समझाने वाले होना चाहिए।

आइजेक जे. शॉ

दिल्ली बाइबल इन्स्टीट्यूट का दर्शन : सम्पूर्ण उत्तर भारत को सुसमाचार सुनाना।

(1)- 2025 तक में 1,00,000 विद्यार्थी प्रशिक्षित करना

2)- 30000 कलीसियाओं की स्थापना करना।

दूसरे लोगों को समझाने वाला होना चाहिए।

5) अगुवों के पास विशेष उद्देश्य होना चाहिए

उद्देश्य को आवश्यकता बना लीजिए

लोगों के लिए काम करना चाहिए और उस काम को अपना उद्देश्य बना लेना चाहिए ।

उनके लिए रात-दिन प्रार्थना करना चाहिए ।

Creation Autonomous Academy

अध्याय -2

उत्कृष्टता

1- हमें सिर्फ अगुवा नहीं बनना है परन्तु अगुवों का अगुवा बनना है और एक उत्कृष्ट अगुवा बनना है।-

1) अगुवाई करने के लिए बुलाहट

2) अगुवों का हृदय

उदाहरण : प्रेरितों० 9:1-6

प्रभु ने शाऊल को अगुवा होने के लिए चुना और प्रभु ही बताएगा कि हमें क्या करना है। प्रभु हमें बताएगा क्योंकि प्रभु ने हमें चुना है।

Creation Autonomous Academy

अगुवों को चाहिए कि वे अपना हृदय परमेश्वर के सामने खुला रखें जिससे कि वह प्रभु की आज्ञा को अपने जीवन में ग्रहण कर सकें। एक अगुवा खुले हृदय का ऐसा होना चाहिए।

2- परमेश्वर निम्न प्रकार के अगुवों को उपयोग करता है।-

1) जिसके जीवन में एक उद्देश्य हो ।

2) परमेश्वर के अनुग्रह से जिसके जीवन की बाधा हट गयी हो।

हमारा प्रश्न आपसे है, क्या आप की बाधा हट गयी है?

मुख्य बाधा-पाप है। हटा दिया गया है । छोटी-छोटी बाधा आएगी उससे आगे बढ़ते जाना है ।

3- जिन्होंने अपने आप को पूर्ण रुप से परमेश्वर के कार्य में उपयोग होने के लिए समर्पित कर दिया है।

प्रभु की सेविकाई के लिए अपने आप को पूर्ण रुप से समर्पित करना ।

4- जो लगातार प्रार्थना करना सीखा हो परमेश्वर के कार्य में उपयोग होने के लिए अपने आपको समर्पित कर दिया है।

जो लगातार प्रार्थना करना सीखा हो परमेश्वर उसी को उपयोग करता है। जो प्वाइंट चार के अनुसार प्रार्थना करना सीखा हो (मत्ती 7:7)

परमेश्वर से प्रार्थना करना - खटखटाना तभी प्रतिउत्तर की प्रतिक्षा कर रहें है।

5- जो परमेश्वर के वचन का विद्यार्थी है। उसे उपयोग करता है।

अतः स्वयं अपनी गहराई मापना कि हम कितने पानी में है। दूसरों को बता पाना ।

6- जिसका संदेश जीवन परिवर्तन कर देने वाला है।

आपका संदेश जीवन परिवर्तन कर देने वाला हो । आत्मिक तौर पर अपनी और दूसरों की बढ़ोत्तरी हो।

7- जो प्रतिफल में विश्वास रखता हो। (रोमि० 4:19-21)

Creation Autonomous Academy

इब्राहीम से वादा किया तो परमेश्वर उसे पूरा अवश्य करेगा । चाहे परिस्थिति कैसी क्यों न हो । हमें पूर्ण रुप से भरोसा रखना है स्थिति उल्टी हो या फिर सीधी क्यों न हो ।

8- जिसने अपने विचारों-कार्यों के द्वारा सेवकाई को चुना है।

परमेश्वर की सेवकाई करने का मन में निश्चय कर लेना।

9- जो अपने वरदान को और दूसरों के वरदान को पहचान सकें।

अगुवे का काम-अपने वरदान और दूसरों के वरदान को पहचानना है।

10- जो अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है।

मेरी पहचान प्रभु यीशु मसीह में सुरक्षित है। (यूहन्ना 13:3-5)

उदाहरण- यीशु हमारी सुरक्षा का पहचान परमेश्वर पर सुरक्षा है।

यीशु ने जान लिया कि हमारी पहचान परमेश्वर पर सुरक्षा है। चेलों के पाँव धोने तथा पोछने लगे।

11- जिन्होंने पवित्र आत्मा का अभिषेक प्राप्त किया।

परमेश्वर उन्हें उपयोग करता है जो पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हैं।

12- जो अपने आप को दूसरों के सामने एक नमूना बनाने के लिए कार्यशील हो।

हमें दूसरों के सामने नमूना पेश करना है। दूसरे नमूने का पालन करेंगे।

यीशु मसीह हमारे लिए एक नमूना पेश किया जिससे कि उसे देखकर लोग उस पर चल सकें।

Creation Autonomous Academy

अध्याय-3

मुझे दर्शन प्राप्त है।

पमेश्वर के अगुवे परमेश्वर से दर्शन प्राप्त करते हैं और उन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए लागू करते हैं।

दर्शन क्या है?

दर्शन भविष्यकाल में होने वाली बात को वर्तमान काल में देखना है । यह क्रियाशील है, होना है।

इब्रानियों 11:3-5, 7-8

विश्वास में पद-3 : से सब विश्वास ही की दशा में मरे। उन्होंने प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएँ नहीं

मान लिया पाई पर उन्हें दूर से देखकर वे आनन्दित हुए और मान लिया कि हम पृथ्वी

मान लेना पर परदेशी और बाहरी हैं।

दिया दूसरों से मान लिया

पद-5: विश्वास ही से हनोक जीवित उठा लिया गया कि वह मृत्यु का अनुभव न करे । उसका पता नहीं चला क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया था।

Creation Autonomous Academy

उसके उठाये जाने से पहले उसकी यही गवाही दी गयी थी उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया है।

पद-7: विश्वास ही से नूह ने उन बातों के विषय में जो उस समय दिखाई नहीं देती थी। चेतावनी पाई और भक्ति के साथ अपने परिवार की रक्षा के लिए जलयान बनाया। विश्वास ही के द्वारा उसने संसार को दोषी ठहराया और धार्मिकता का वारिस हुआ जो विश्वास से होती है।

पद-8: विश्वास से ही जब अब्राहम परमेश्वर के द्वारा बुलाये गये तब उन्होंने पमेश्वर की आज्ञा माना और उस स्थान को चले गये जो मिरास में उनको प्राप्त होने वाली थी उस समय वह यह जानते भी नहीं थे कि वह कहाँ जा रहे हैं फिर भी वह चले गए।

दर्शन दो प्रकार के होते हैं। -

1) मनुष्य के दर्शन : स्वप्न, मनुष्य द्वारा दर्शन

2) परमेश्वर के द्वारा दिया गया दर्शन

मनुष्य के द्वारा दिया गया दर्शन	परमेश्वर द्वारा दिया गया दर्शन
क) मनुष्य स्वयं रचना करता है	क) परमेश्वर द्वारा प्राप्त होता है।
ख) ये तब पूरा होता है जब हम दूसरों से आगे रहते हैं।	ख) यह परमेश्वर के पूर्ण रुप से आज्ञाकारिता के द्वारा पूरा होता है।
ग) हम दूसरों के साथ प्रतियोगिता करते हैं।	ग) हम दूसरों के साथ सहभागिता में होते हैं।
घ) इसे पूरा होने पर मनुष्य को महिमा मिलती है।	घ) इसे पूरा होने पर परमेश्वर को महिमा मिलती है।

दर्शन पूरा करने के आवश्यक कदम (मत्ती 9:35-10:8)

यदि परमेश्वर हमें दर्शन दिया है तो हम उस दर्शन को पूरा करने के लिए यीशु मसीह के नमुने को लागू करें।

Creation Autonomous Academy

1- पहला कदम : फुर्ती रखें और आज्ञाकारी बनें (मत्ती 9:35)

प्रभु यीशु मसीह आज्ञाकारिता का पालन करते हुए तेजी से काम कर रहें हैं। आज्ञाकारिता और तेजी से काम

करना है।

2- जो आपको प्रभु से दर्शन प्राप्त हुआ है उसे दूसरों को भी बताएँ

परमेश्वर से प्राप्त दर्शन को दूसरों से बताना है।

3- मानवीय वास्तविकता को जाँचें, परखें और समझें (मत्ती 9:35-10:8, 36-38)

यहाँ यीशु ने मानवीयता को देखा है। समझा, परखा, तरस खाया-वैसे भेड़ों के समान हैं जिनका कोई

चरवाहा नहीं ।

4- परमेश्वर से कहें कि वह आपको एक विशेष बोझ दे।

परमेश्वर से प्रार्थना करें । प्रभु ने दर्शन को देखते हुए कार्य किया। लोगों को मार्गदर्शन करना, उनकी अगुवाई करना। समस्या को देखते हुए कार्य करना, तरस खाना ।

5- कार्य को पूरा करने के लिए परमेश्वर से समाधान माँगें -

प्रभु से दर्शन मिला है उसके लिए समाधान माँगें परमेश्वर से कि उस दर्शन को पूरा कर सकें। परमेश्वर से सहायता माँगे।

Creation Autonomous Academy

पद 36 देखें- पद 37 तब मन में विचार आया

पद 38 इसलिए विनती के साथ सहायता माँगें

6- एक टीम का गठन करें और उन्हें प्रशिक्षित करें कि वे आपकी सहायता करें ।

1) टीम चुना- गठित किया-चेलों को अधिकार दिया।

2) प्रशिक्षित किया

3) अधिकार दिया

बारह चेलों की टीम गठित हुई उन्हें अधिकार दिया और दिशा निर्देश दिए कि किस प्रकार से कार्य करना चाहिए।

प्रभु यीशु मसीह ने बारह चेलों की टीम गठित किया ।

उन्हें अधिकार दिया

उन्हें दिशा - निर्देश दिया और दर्शन के साथ काम को मिलाकर करने के द्वारा उसे पूरा कर सकें।

7- दर्शन को पूरा करने के लिए तुरन्त कार्य आरम्भ करें।

1) तुरन्त आरम्भ करके, निरन्तर कार्य करना पड़ेगा ।

2) निरन्तर कार्य करना पड़ेगा।

3) तुरन्त भेज दिया, तुरन्त कार्य किया यीशु ने उस कमी को पूरा करने के लिए। इनके अनुसार कार्य करेंगे चलेंगे तो कमी पूरी होगी।

अवश्य ही सफलता मिलेगी।

Creation Autonomous Academy

अध्याय -4

प्राथमिकता तय करना और निर्णय लेना

दिल्ली बाइबल इन्स्टीट्यूट के दर्शन के उद्देश्य : बाइबल प्रचार करने वाली कलीसिया होना चाहिए।

1) अगुवे हैं।

2) प्राथमिकता आप को तय करना है।

3) आपको समय आने पर परिस्थिति के अनुसार कठोर निर्णय लेना पड़ेगा। (मत्ती 23:24)

क्या हम इसी प्रकार के अगुवें बनना चाहते हैं?

विशेष कार्य, मुख्य-मुख्य कार्य- प्राथमिकता देना हैं- निर्णय लेना हैं।

सामान्य कार्य, छोटे -छोटे कार्य - प्राथमिकता नहीं देना है निर्णय के अनुसार

Creation Autonomous Academy

विशेष कार्य-	सामान्य कार्य	प्राथमिकाता नहीं देने पर भी चलेगा।
बड़े कार्य - प्राथमिकता देना	छोटे कार्य	
मुख्य कार्य-		

पढ़ाई	खेल
भोजन	झाड़ू लगाना

प्राथमिकता तय करना निर्णय लेना -

1 - यीशु मसीह ने अपने जीवन में किस बात को प्राथमिकता दी? यीशु मसीह के जीवन में कौन सी प्राथमिकता थी? मरकुस 1:35-38

प्राथमिकता (प्रभु यीशु ने नमुना दिया)

बातचीत - (पिता से)

ढूँढ़ रहे हैं

प्रभु में प्रचार करना

प्रभु यीशु मसीह ने राज्य को प्राथमिकता दिया। इसके बजाय कि दुष्टात्माओं को निकाले, खाना खिलाए। और भी अन्य कार्य किये।

2- मसीहियों के बीच क्या प्राथमिकताएँ होनी चाहिए ? लूका 10: 38-42 -

मार्था मरियम

3- यदि आप कलीसिया के अगुवे हैं आपके जीवन में कौन सी बातें प्राथमिक होनी चाहिए

(प्रेरितों के काम 6:2-4) मुख्य पद 4

मत्तियाह को मिलाकर फिर से बारह चेले हो जाते हैं। खिलाना - पिलाना सेवा का एक भाग है। हम प्रार्थना और वचन की सेवा में लगे रहेंगे ।

प्राथमिकता : प्रार्थना और वचन की सेवा

Creation Autonomous Academy

4-80 और 20 का सिद्धान्त

20 80 कारण

80 20 अपराध /पैसा / उत्पादन ऐश आराम का प्रयोग / देश चलाना/ शासन करना 80 लोगों के ऊपर

आम लोग अपना 80 प्रतिशत लगाकर 20 प्रतिशत परिणाम प्राप्त करते हैं। जबकि अगुवे प्राथमिकता तय करके आपना 20 प्रतिशत लगाकर 80 प्रतिशत परिणाम प्राप्त करते हैं।

20 प्रतिशत लगाने के दौरान 80 प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। निर्णय लेने का सिद्धान्त प्राप्त करता है 20 प्रतिशत समय में 80 प्रतिशत परिणाम :

कार्य **सुन्दर तरीके से करें** न कि शाक्ति से । शाक्ति के अपेक्षा **बुद्धि से काम करें** । कौन सी बुद्धि लगाएँ की काम **आसानी से** हो जाए और **कम समय में** हो जाए। कार्य करने की **शैली बदल जाए**। इस सिद्धान्त को हर एक क्षेत्र में लागू किया जा सकता है।

उदाहरण - दौड़ने वाले धावक का तरीका अपनाना दौड़ने का ।

Creation Autonomous Academy

अध्याय -5

अगुवाई में लोगों के अन्दर गुण विकसित करना : यदि आप लोगों के अन्दर गुण विकसित करना चाहते हैं, तो उसके साथ गुण होना चाहिए। जानें

यदि आप अच्छे अगुवें हैं मसीह के अगुवें हैं तो दूसरे लोग सीखना चाहेंगे।

1- जिस तरीके से अपने आप को देखते हैं उसी तरीके से दूसरों को देखें।

यदि आप आदर पाना चाहते है तो सबसे पहले दूसरे का आदर करना सीखें ।

उदाहरण : लूका 10:29- 37

याजक - पुजारी - परमेश्वर के लोग

डाकू	याजक	लेवी	सामरी
मारा पीटा अधमरा कर दिया	कतराकर चला गया	कतराकर चला गया	तरस खाया और उसका उपचार और सेवा किया

परमेश्वर के लोग - (इस वंश से याजक चुने जाते थे)

2- मसीहियत सम्बन्ध पर निर्भर करता है। (लूका 10:27-28)

परमेश्वर

सम्बन्ध प्रेम

दूसरे लोग

Creation Autonomous Academy

सम्बन्ध - पड़ोसी से प्रेम

अच्छा सम्बन्ध होना चाहिए।

परमेश्वर से हमारा सम्बन्ध प्रेम का होना चाहिए। लोगों से हमारा सम्बन्ध प्रेम का होना चाहिए। परमेश्वर के साथ और लोगों के साथ हमारा सम्बन्ध अच्छा होना चाहिए।

प्रत्येक अगुवा को निम्नलिखित आवश्यक बातें जानना चाहिए।

क - लोग असुरक्षित हैं उन्हें आप भरोसा दीजिए । अच्छा सम्बन्ध के लिए होना चाहिए।

लोग असुरक्षित हैं उन्हें आप भरोसा दीजिए।

उदाहरण - पढ़ाई में : अच्छा काम/ डिग्री मिलेगी या नहीं। सभी असुरक्षित है।

ख - लोग अपने आपको विशेष महसूस करना चाहते हैं आप उनको प्रोत्साहित कीजिए।

उदाहरण : मेहरबानी से सभी तरह के व्यक्ति को प्रोत्साहित करना एवं विशेष रुप में देखना चाहिए

ग - लोग अपने भविष्य को अच्छा बनाना चाहते हैं आशा दीजिए।

उदाहरण : अनाथ बच्चा - अनाथ बच्चों के लिए अनाथ आश्रम का पता करेंगे उसके लिए उसका सहयोग करेंगे।

घ- लोग सोचते हैं कि दूसरे लोग उनको समझें इसलिए आप उनकी सुनें।

उदाहरण : किसी भी व्यक्ति की समस्या सुनना है। सुनना भी एक इलाज है। सुनने में लोग 80 प्रतिशत ठीक हो जाते हैं, उनकी समस्या कम हो जाती है । रोमि० 12:15 आनन्द करने वालों के साथ आनन्द करो और रोने वालों के साथ रोओ ।

Creation Autonomous Academy

ङ - लोगों को मार्गदर्शन का अभाव है इसलिए आप उनका मार्ग दर्शन करें

उदाहरण : एक सफल अगुवा वही होता है जो रास्ते को जानता है, जो रास्ते के ऊपर चलता है और जो रास्ते (मार्ग) को दिखाता है।

अगुवा

मार्ग जानता है।   मार्ग पर चलता है।   मार्ग दिखाता है।

च- लोगों को विभिन्न चीजों की आवश्यकता है इसलिए आप उनकी आवश्यकता से आरम्भ करें।

उदाहरण : आवश्यकता से जैसे मीरास - विरासत में मिली सम्पत्ति ।

छ- लोग मनोवैज्ञानिक दबाओं में हैं आप उन्हें उत्साहित करें ।

उदाहरण : अनाथ व्यक्ति के अन्दर उत्साह है। सफल होना चाहता है। आप उनकी सहायता करें, उनका उत्साह बढ़ाएँ।

ज - लोग सम्बन्ध बनाना चाहते हैं आप उन्हें एक अच्छा समाज प्रदान करें ।

उदाहरण : सभी अच्छा सम्बन्ध बनाना चाहते हैं।

हमारी कलीसिया में अच्छा सम्बन्ध है तो आप उन्हें अपने समाज से जोड़ सकते हैं।

झ- लोग अपने जीवन में एक नमूने का पालन करना चाहते हैं। आप उनके लिए नमूना बनें। (1 कुरि० 11:1)

उदाहरण : अनुकरण करो।

मेरी सी चाल चलो पौलुस कहता है।

Creation Autonomous Academy

अध्याय -6

रणनीतिक योजना बनाना

(Stratigic Planing)

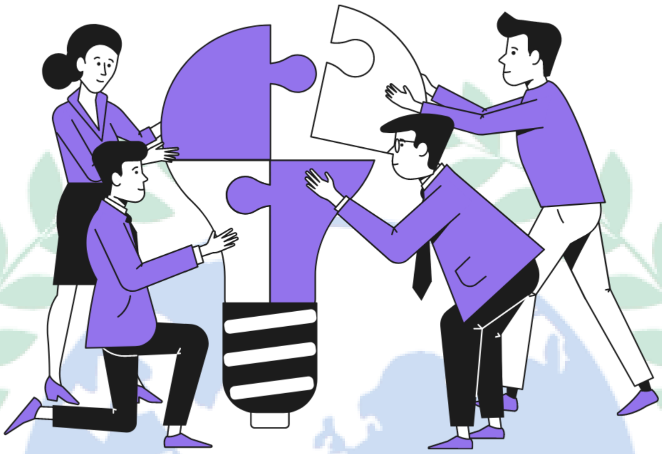

''Failing to plan is at plan to fail ''

" यदि आप योजना बनाने में असफल हो जाते हैं, तो आप कार्य करने में असफल हो जाते हैं।"

उदाहरण : कार्य के लिए योजना बनाना

पैसा है या नहीं

मालुम करना

साधन उपलब्ध होना

सलाह

समय

नूह के विषय में उदाहरण जहाज बनाने के लिए ।

120 वर्ष - योजना बनाया और कार्य किया।

Creation Autonomous Academy

परमेश्वर ने नूह को जहाज बनाने का निर्देश दिया । विशाल जहाज और इसके साथ - साथ परमेश्वर ने उसे जहाज बनाने के लिए माप भी दिया। और नूह ने उसी माप के अनुसार जहाज को बनाया जैसा कि परमेश्वर ने उसे कहा।

रणनीतिक योजना तैयार करने के लिए आवश्यक कदम ।-

पहला कदम :1. कार्य करने के लिए या योजना बनाने के लिए योजना बनाइये।

उदाहरण : रणनीतिक योजना

1) लम्बा समय (वृहद योजना)

2) कम समय (कार्यरुप योजना)

1) बड़ी योजना बनाना कार्य

2) छोटी योजना बनाना (भवन निर्माण)

कदम -2. आपका प्राथमिक उद्देश्य क्या है निश्चित करें।-

उसका प्राथमिक उद्देश्य क्या होना चाहिए।

कदम -3. स्थिति से अवगत रहें: वर्तमान स्थिति से अवगत रहें।-

उदाहरण : पैसा है कि नहीं ।

कदम -4. आवश्यकताओं की सूची बनाएँ।-

उदाहरण : कौन- कौन सी चीजें लगेंगी उनकी सूची बनाएँ।-

Creation Autonomous Academy

कदम - 5. कुछ आवश्यक प्रश्न पूछें

उदाहरण:1) हमारा लक्ष्य क्या है?

2) इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए किन- किन लोगों को जिम्मेदारी देना चाहिए।

3) हमें सलाह देने वाले कौन हैं ? (इंजिनियर)

4) लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमें किस दिशा में जाना चाहिए ।

कदम -6. विशेष उद्देश्य निश्चित करें।

उदाहरण : किसी गाँव में प्रत्येक को बाइबल देना है तो बाँटना है।

कदम -7. साफ- साफ तरीके से इस योजना को दूसरों से बताएँ।

उदाहरणः उद्देश्य प्रत्येक को बाइबल देना है तो बाँटना है।

कदम -8. रुकावटों को पहचानें ।

उदाहणः बाधा को चिन्हित करना पहचानना

बाइबल बाँटने जा रहे हैं। इसमें क्या क्या रुकावटें आ सकती हैं।

कदम -9. लोगों का मार्गदर्शन करें। -

लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें। अगुवाई करें ।

कदम - 10. परिणाम का अध्ययन करें।-

उदाहरण : ध्यान दें कि सफल और अच्छे अगुवे हों, कम्पनी बोर्ड में, कलीसिया बोर्ड में ।

-परिणाम क्या है? अच्छा परिणाम आएगा।

Creation Autonomous Academy

अध्याय-7

दर्शन और रणनीति

1-भाषा के मामलेः-

सत्य यह है कि अगुवे अपनी भाषा को जिस तरह से उपयोग करते हैं उसके कारण वे सफल या असफल होते हैं। कभी-कभी सम्पूर्ण दर्शन जीवित हो जाता है अथवा मर जाता है उन शब्दों के आधार पर जिनका चुनाव अगुवे दर्शन को बताने में करते हैं। जब आप एक दर्शन अथवा सिद्धांत के लिए सही शब्द रखते हैं तो वह जीवित हो उठता है। यह जीवित, स्मरणीय और शक्तिशाली बन जाता है। यह बोझ वहन करने वाला बन जाता है और आपके चारों ओर का प्रत्येक व्यक्ति इसका चैम्पियन बन जाता है। उदाहरण दिल्ली बाइबल इन्स्टीट्यूट का दर्शन और उसकी प्रस्तुति।

2-बड़ा मांगेंः-

अगुवाई बहुत सारे प्रश्नों के पूछने के विषय में है। दृढ़ दर्शन को बताने (प्रस्तुत करने) के बाद अगुवे इसे वास्तविक बनाने हेतु लोगों से सहायता के लिए कहते हैं। अगुवे समस्या की पहचान करते हैं। वे निश्चित करते हैं कि सेवा से क्या प्राप्त करेंगे। तब वे लोगों से कहते हैं कि वे अपने विचारों को समस्या समाधान के लिए समर्पित करें। कलीसिया सेवा में अगुवे आत्मिक खोजियों से कहते हैं कि वे प्रभु को स्वीकार करें, विश्वासियों से कहते हैं कि वे अपने विश्वास में बढ़ें। स्टाफ के सदस्यों, स्वयंसेवकों, दान दाताओं और निर्माणकर्ताओं से कहते हैं कि वे अपना सर्वोत्तम समय, धन, शक्ति और मन दें। क्योंकि वे उस पर विश्वास करते हैं जो वे कर रहे हैं। मांगने की अगुवाई में महत्वपूर्ण भूमिका है। जब हम बड़ा मांगते हैं परमेश्वर हमें बड़ा दर्शन देता है।

Creation Autonomous Academy

3-आप हमेशा एक मौसम में हैं:-

एक अगुवे की प्रमुख जिम्मेदारी है कि वह जाने कि संगठन किस मौसम में है, नाम दे और तब अपने सहकर्मियों को बताए कि उस मौसम का उपयोग क्या है।

'बढ़ने (विकास) के मौसम' की पहचान करना सरल है। बढ़ने के मौसम में प्रत्येक चीज गुलाबी होती है। कलीसिया में उपस्थिति बढ़ती जाती है, दान बढ़ता जाता है, कार्यक्रम अच्छा चलता जाता है और भविष्य अच्छा दिखता है। यह मौसम ऐसा होता है कि अगुवा कहता है,'सब लोग देखो हम बढ़ने के विशेषज्ञ बनने जा रहे हैं। आइए हम इस बढ़ने में अपनी शक्तियों को लगा दें। इस मौसम का आनन्द लें और जितना लम्बे समय तक हम कार्य कर सकते हैं करें। आप अच्छी तरह से जानते हैं जैसा हम कर रहे हैं वह कभी समाप्त नहीं होगा। लेकिन यह यहां क्यों है? हम इसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें और अपने आप को जितना सम्भव हो सके उतने समय तक निरन्तर बनाए रखें।

दूसरा मौसम **'शिष्यता और कलीसिया की देखभाल'** का है। परमेश्वर ने अनुग्रह पूर्वक जो दिया है उसके रक्षा करने का यह समय है। ढांचा खड़ा करने का यह समय है। यह देखभाल आपको विकास के अगले पड़ाव की ओर ले जाएगी।

तीसरा मौसम **'जाने'** का है। कुछ स्टाफ सब कुछ छोड़कर जाने का मन बना लेते हैं। प्रत्येक ऐसे में संतुलन चाहता है। वे अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए जाना चाहते हैं। महत्वपूर्ण है कि अगुवा उन वास्तविकताओं को आवाज और भाषा दे। व्याख्या करे कि यह क्यों हो रहा है, इसका अर्थ क्या है और कैसे यह नकारात्मक है। अगुवा कह सकता है कि आइए हम स्थिर रहें।

अन्ततः **'नवीनीकरण'** का मौसम है। अब यह वह समय है कि कलीसिया की प्रत्येक सेवा का सूक्ष्म निरीक्षण (जांच-पड़ताल) किया जाए और निर्णय लिया जाए कि किन चीजों को आगे ले जाया जाए और किन चीजों का दफन किया जाए। यह एक आवश्यक अभ्यास है कि भविष्य के विकास के लिए जगह तैयार किया जाए।

Creation Autonomous Academy

4-तेजी से विकास बराबर नाटकीय गिरावट:-

स्थानीय कलीसिया विकास का अनुभव कर रही है। जैसे कि प्रेरितों॰ 2:47 में वर्णित है,'जो उद्धार पाते जाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला दिया करता था।'

आप जिस भी प्रकार की कलीसिया में सेवा कर रहे हैं। प्रभु उनको अपने अनुग्रह से बढ़ा रहा है और आशीषित कर रहा है। लेकिन नये लोगों के लिए सेवा की योजना बनाना न भूलें। कुछ सैकड़ा लोगों को जोड़ने के बाद महसूस किया जाता है कि वे सब लोग पार्किंग में खड़े हैं।

सुसमाचार प्रचार की योजना बनाएं, अगुवों को बैठाकर बात करें। यदि ठहराव है तो परमेश्वर ने अपना कार्य किया है परन्तु हमने अपना कार्य नहीं किया है। उठिए आगे की योजना बनाइए। लोगों को लाने के लिए पुल का निर्माण करें।

5-दर्शनः धैर्यपूर्वक चित्र को रंगेंः-

प्रत्येक सफल अगुवे चाहे वे जांन आडम, विलियम विल्वरफोर्स, राइट ब्रदर्स, विली ग्राहम, डॉ० गिलवर्ट बिलजीकियन हों सब में एक समान बात पायी जाती है। उन सबके पास दर्शन है **'भविष्य का चित्र जो लोगों में धैर्य उत्पन्न करता है।'**

यह चित्र भूखे बच्चे का हो सकता है, यह उस बेघर व्यक्ति का चित्र हो सकता है जो घर की तलाश में है, यह मृत कलीसिया का चित्र हो सकता है जो जागृति की प्रतीक्षा में है, यह एक खोए हुए व्यक्ति का चित्र हो सकता है जो विश्वास में आना चाहता है, यह एक सेवक का चित्र हो सकता है जो सेवा की खोज कर रहा है और परमेश्वर द्वारा दिए गए अपने वरदानों को सेवा में उपयोग करना चाहता है, यह अकेले व्यक्ति का चित्र हो सकता है जो कलीसिया समुदाय की खोज कर रहा है अथवा यह चित्र उस कलाकार का हो सकता है जो अन्ततः अपने रचनात्मक वरदानों को परमेश्वर की सेवा में उपयोग करना चाहता है। यहां भविष्य के कई जीवनदायक दार्शनिक चित्र हैं। ये हमारे भविष्य के अगुवे हैं। जब अन्ततः परमेश्वर दर्शन की स्पष्टता को एक अगुवे के जीवन में लाता है तब प्रत्येक चीज अच्छाई के लिए बदल जाती है।

अगुवों परमेश्वर ने आपको जो दर्शन दिया है, अपने जीवन में दर्शन के लिए किसी चीज से कोई समझौता न करें। दर्शन के विषय में अपने अनुभव को छिपाएं नहीं। यह परमेश्वर का दर्शन गहराई से महसूस करने के लिए है। परिवार, मित्रों, पड़ोसियों और अपरिचितों के बारे में जो दर्शन परमेश्वर ने आपको दिया है उस दर्शन के चित्र को रंगें। सुन्दर और धैर्यपूर्वक जितना आप रंग सकते हैं दर्शन के चित्र को रंगें। जब दर्शन के चित्र को आप रंग चुकें तो उसे देखकर लोग चिल्ला उठें,'मुझे अन्दर गिनें।'

Creation Autonomous Academy

6-दृढ़ बदलावः-

दृढ़ परिवर्तन की तरफ जाएं। ताजे विचार पर सोचें, नये कार्यक्रम को लेकर जाएं, राज्य निर्माण की परमेश्वर की योजना पर भरोसा करें। आप ऊंची पहाड़ी पर बिना दृढ़ बदलाव के नहीं चढ़ सकते। इसलिए बदलाव लाएं।

7-मालिक अथवा नौकरः-

परमेश्वर द्वारा दिया गया दर्शन एक के साथ एक की बाचीत है। यह परमेश्वर और अगुवे के बीच एकान्त में बातचीत है। लेकिन इसका लागूकरण बड़ा है। बुद्धिमान अगुवे एक महत्वपूर्ण बात समझते हैं कि अनुसरण करने वालों के पास अपना स्वयं का दर्शन होगा। अनुसरण करने वाले विश्वास करते हैं कि अगुवे के पास स्वयं का दर्शन होगा।

आप लोगों को मूर्ख नहीं बना सकते। वे देखेंगे, सूँघेंगे और समझेंगे कि आपका मालिकाना कितना गहरा है। वे जानते हैं कि आप मालिक हैं अथवा कर्मचारी।

आपका अनुसरण करने वाला आपके मालिकाने को सूत्रबद्ध करेगा और उसके अनुसार अपने स्वयं के मालिकाने का तालमेल बैठाएगा। यदि आप स्वयं अपने दर्शन के लिए बलिदान करेंगे तभी अनुसरण करने वाले आपके दर्शन के लिए अपने आपको बलिदान करेंगे। वे तभी गोली खाएंगे जब उनका विश्वास होगा कि आप भी वैसा ही करेंगे। आप मालिक हैं या नौकर? यही आपके पीछे चलने वालों को निष्कर्ष तक पहुंचाएगा।

8-दस लोगों को खरीदेंः-

प्रभावशाली अगुवाई के लिए दस लागों को खरीदें और उन्हें अपने स्तर तक प्रशिक्षित करें। अगुवे अपने स्तर तक लोगों को प्रशिक्षित नहीं करते जिसके कारण विकास नहीं दिखता है। प्रयत्न करें कि आपका स्टाफ सदस्य स्वयं से अगुवाई के लिए बढ़े। जब आप किसी को अपनी टीम में शामिल करने की आवश्यकता महसूस करते हैं तब उसे उन्नत करें। उसे सर्वोत्तम प्रभावशाली अगुवा बनने के लिए उत्साहित करें। इसी प्रकार आप प्रभावशाली अगुवा पा सकते हैं। इस प्रकार करके निरन्तर अपने संगठन को उन्नत करें और अगुवाई की क्षमता को उन्नत करें।

Creation Autonomous Academy

9-सम्बन्ध मूल्य को बदल देता है।ः-

'सेवक को उसका परिश्रमिक मिलना चाहिए।' (1 तीमु० 5:18) बहुत से निजी अथवा सार्वजनिक संगठन लाभ के लिए कार्य करते हैं जिनके अगुवे स्टाफ के वेतन में, अगुवाई के विकास के

अवसरों में और छुट्टियों में कटौती करके खर्चों को कम करते हैं। अधिक कार्य और अधिक घंटे के द्वारा वे अधिक परिणाम चाहते हैं। तब सम्बन्ध कैसे बदलेगा? सम्बन्ध सभी मूल्यों को बदल सकता है। इस बात में कलीसियाएं संघर्ष कर रही हैं। आनन्दपूर्वक कार्य करने वाला चाहता है कि कोई उसके भविष्य को देखे। इससे स्थिति बदल जाएगी। वह सम्पूर्ण जीवन भर बलिदान के लिए नहीं सोचता। जब वह हमें लगातार बिल्डिंग दर बिल्डिंग बनाते और कम वेतन पर लोगों को खरीदते देखता है तो आश्चर्य चकित होता है। बजाय इसके कि उन साधनों को उचित वेतन स्तर निर्धारित करने एवं लोगों के भविष्य को सुरक्षित करने में लगाया जाए।

टीम के साथ मीटिंग करें उसके भविष्य को देखें।

10-एक अच्छे विचार का मूल्यः-

बहुत से अनेकों विचार आते हैं लेकिन उनमें से एक अच्छे विचार को चुनकर उस पर कार्य करें। एक अच्छे विचार के कारण आप कुछ नया कर सकेंगे। अगुवे विचार रचना की यात्रा में हैं। अच्छे अगुवे उन अगुवों को पाते, उनकी शिष्यता करते और उन्हें सिखाते हैं।

11-एक कोष बनाएंः-

सेवा को बन्द करने के बजाए संतुलित वजट बनाएं और प्रार्थना करें। नीतिवचन 6:6-8 से चींटी के उदाहरण का पालन करें। ‘हे आलसी चींटी के पास जा। उसके कार्यों को देख और बुद्धिमान बन। उसका न तो कोई न्यायी, न अधिकारी और न ही कोई शासक होता है। पर वह ग्रीष्म काल में अपने भोजन का प्रबन्ध करती है और कटनी के समय भोजन सामग्री एकत्र करती है।’ यदि हम विश्वास करते हैं कि स्थानीय कलीसिया संसार की आशा है तब हम उन सब कार्यों को करने में अपनी शक्ति लगाएंगे जो भविष्य में कलीसिया चलते रहने के लिए धन ला सकें। कलीसिया की योजनाओं को चलाते रहने के लिए एक कोष बनाएं।

Creation Autonomous Academy

12-एक उड़ान लें।ः-

बाधाओं को पार करें । यदि परमेश्वर के अभिषिक्त उत्साह की कुछ चिन्गारी आप में है तो एक उड़ान लें। यह आपको जवान रखेगी। विश्वास बनाएं और गतिरोध को तोड़ें।

13- दर्शन की पूर्ति में गिरावटः-

समय-समय पर दर्शन को पूरा करने में गिरावट आ जाती है। हम बहुत अच्छे से कार्य करते हैं। दर्शन को अच्छी तरह प्रस्तुत करते हैं। रविवार को सभी विश्व को बदलने के लिए तैयार हो जाते हैं। परन्तु मंगलवार को वे फिर से पहले के समान नजर आते हैं। कई लोग चुनौती को भूल जाते हैं।

जब आप बताते हैं कि यह दर्शन को पुनः भरने का समय है। यह भविष्य के चित्र को पुनः रंगने का समय है। यह प्रत्येक जन को धैर्य से भरेगा। यह एक कदम उठाने की ओर ले जाएगा कि वे दर्शन पूरा करने में जो प्रगति हो रही है उसकी रिपोर्ट दें। जैसे ही आप अपने को कलीसिया के दर्शन को दिखाने में लगाएंगे स्वप्न सच हो जाएगा। कुहरा छंट जाएगा लोगों के सिर उठने शुरु हो जाएंगे, 'अरे हाँ' वे अचानक रविवार को याद करेंगे, मैं समझ गया, मैं समझ गया। यह कलीसिया को खड़ा करेगा।

अपने स्टाफ से पूछें, 'इन दिनों में आप अपने दर्शन के डिब्बे को कैसे भरे हैं?' स्वयंसेवकों से पूछें, 'क्या आप हमारे दर्शन के चारों तरफ होने वाली प्रगति को समझ रहे हैं?' अपने कलीसिया सभा के सदस्यों से पूछें, 'हमारे कलीसियाई दर्शन का कौन सा भाग आपके लिए प्रमुख रुप से अर्थपूर्ण है।

14-मूल्यों को गर्मी की आवश्यकता है।:-

मूल्यों को गर्मी प्रदान करने की आवश्यकता है। जिससे कि वे ठण्डे न पड़ जाएं। ये कलीसिया में इसलिए हैं कि समर्पित हैं।

जब आप एक मूल्य को गर्माते हैं, आप लोगों की मदद करते हैं कि वे अपने स्तर को बदलें। अपनी स्पष्टता को गर्म करें। नया व्यवहार और नये कार्य करें। यह राकेट साइंस नहीं है, यह योजनाबद्ध तरीका है। जो बहुत सारी गर्मी के विषय में है।

Creation Autonomous Academy

अगुवों कलीसिया घोषणा में जो विश्वास है उनके मूल्यों को सामने लाएं। तब गर्म करें, उन मूल्यों को सिखाते समय, वचन दिखाएं। उन्हें हीरो बनाएं जो उनका पालन करते हैं। गर्म मूल्य आपकी संस्कृति का परिचय कराते हैं।

15-बढ़ाने के विचार के खतरेः-

आरम्भ में सभी कलीसियाएं एक सामान्य बात कहती हैं कि हम सम्पूर्ण संसार को बदलने जा रहे हैं। लोग लम्बी-लम्बी प्रार्थनाएं करते हैं। वे बड़ा-बड़ा दान देते हैं। वे समय का बड़ा भाग दान करते हैं। वे विश्वास करते हैं कि परमेश्वर उनके द्वारा सब कुछ करने जा रहा है। कुछ समय बाद वे तनावग्रस्त हो जाते हैं। क्योंकि उनके पास पर्याप्त स्टाफ और स्वयंसेवकों का सपोर्ट नहीं होता है। वे साधनों का प्रत्येक माह बिल अदा करने में संघर्ष करते हैं। धीरे-धीरे 'परमेश्वर सब कुछ कर सकता है' में गिरावट आने लगती है। दृढ़ प्रार्थना शांत प्रार्थना में बदल जाती है। अन्त का आरम्भ निकट आ जाता है। लोग बढ़तवाद के शिकार हो जाते हैं। चीजों में गिरावट आने लगती है।

बढ़त के विचार, योजनाएं, प्रार्थनाएं-यह मृत्यु का चम्बन लेना है। इसमें गिरें नहीं।

16-छः बटा छः कार्यः-

छः माह, छः सप्ताह का कार्य करने के लिए कार्यों की सूची व प्राथमिकताएं निर्धारित करें। कौन सी छः प्राथमिकताएं हैं जिनको आप करेंगे। उसे टीम के सामने रखें। टीम प्रार्थना करेगी। (कार्यशाला का समय)

17-मात्र परमेश्वरः-

परमेश्वर है जो कार्य को पूरा करता है। प्रार्थना करें। मात्र परमेश्वर है जो हजारों हृदयों को छू सकता है जिससे लोग छुटकारा पा सकते हैं। एक रास्ता है आराधना। जब हम परमेश्वर को पुकारते हैं वह कार्य करता है। कार्य का सारा श्रेय परमेश्वर को जाता है।

18-धनात्मक दिशा/ऋणात्मक दिशाः-

Creation Autonomous Academy

प्रत्येक सप्ताह जो कुछ हम दान पात्र में डालते हैं 'उपलब्ध स्रोत' उसे हम कलीसिया निर्माण में उपयोग करते हैं। विभिन्न कार्यों के लिए स्टाफ के रुप में अगुवे नियुक्त करें, इससे कलीसिया के प्रत्येक कार्य में उन्नति होती है। कलीसिया की योजनाओं की पूर्ति के लिए योग्य व्यक्तियों को खरीदें। स्टाफ के समर्पण को जांचें कि वे धनात्मक दिशा में हैं या ऋणात्मक दिशा में हैं। धनात्मक दिशा और ऋणात्मक दिशा के स्टाफ की सूची बनाएं। ऋणात्मक दिशा के स्टाफ को, स्टाफ मीटिंग बुलाकर उनकी जिम्मेदारी की याद दिलाएं।

19- मुख्य मूल्यों को संस्थाबद्ध करेंः-

आपकी कलीसिया के जो मूल्य हैं उनको अवश्य ऊंचा उठाएं। उनके विषय में शिक्षा दें और मूल्यों का त्योहार मनाएं।

20-यह कलीसिया है।:-

यदि आप कलीसिया के पासवान हैं तो प्रत्येक सदस्य अपनी समस्या में आपकी सहायता चाहेगा। याद रखें यह कलीसिया है। हर सम्भव सहायता का प्रयत्न करें।

एक दूसरे की देखभाल करें, एक दूसरे की सुनें, एक दूसरे को थामे रहें। अर्न्तनिर्भरता, सुनना और अपने आपको दे देना का पालन करें। क्या आप सुन रहे हैं यह कलीसिया है।

Creation Autonomous Academy

अध्याय-8

टीम वर्क और कम्युनिकेशन

(सामूहिक कार्य और बातचीत)

1-चरित्र, योग्यता और क्षमता

1-चरित्रः-

प्रथम प्राथमिकता है चरित्र। जब एक नया स्टाफ सदस्य टीम में जुड़ता है तो आवश्यक है कि वह अपनी अधिकतम शक्ति, अधिकतम सहायता और सब कुछ अधिकतम टीम में प्रदान करे।

साक्षात्कार के दौरान एक अच्छे चरित्र का पता चल जाता है। सत्य बोलने वाले को टीम में शामिल करें। वह व्यक्ति जो वाचा का पालन करने वाला हो, वह व्यक्ति जो प्रभु यीशु के स्वभाव में बढ़ना चाहता है, वह जो सम्बन्धों का प्रबन्ध कर सके और दूसरों के साथ सम्बन्ध बना सके। विजय प्राप्त करने पर वह औरों के भाग को सम्मान दे सके।

2-योग्यताः-

जब चरित्र की परीक्षा में व्यक्ति पास हो जाता है तब योग्यता के लिए जाँच की जाए। जब मुख्य पद पर भर्ती ले रहे हैं तब योग्यता की आवश्यकता पर विचार करें। यदि किसी ऐसे व्यक्ति

Creation Autonomous Academy

की आवश्यकता है जिसके पास शिक्षा देने का वरदान हो, तब सर्वोत्तम शिक्षक प्राप्त करने में कोई समझौता नहीं करना चाहिए। एक सिद्ध व्यक्ति को प्राप्त करने के लिए प्रतीक्षा करें और बातचीत को जारी रखें।

यदि परमेश्वर रुकने का संकेत दे तभी रुकें अन्यथा निमंत्रण देना जारी रखें। अपने टीम सदस्य के योग्यता को देखने में समझौता न करें। उसके वरदान, योग्यताएँ, क्षमताएँ देखने में समझौता न करें। यह ही आपकी सेवा को अगले स्तर पर प्रभावशाली बनाने की ओर ले जाएगा।

3-क्षमताः-

लोगों को भर्ती करने के पहले क्षमता की जाँच कर लें। यदि व्यक्ति का चरित्र अच्छा है और योग्यता अच्छी है तो वह व्यक्ति सही है। अब उसकी क्षमता की जाँच करें। यह निश्चित होने पर कि वह टीम के साथ सीखेगा उसे टीम में ले लें।

यदि हम नकारात्मक सोच रखते हैं तो पूरे दिन हम उस व्यक्ति के साथ आनन्द पूर्वक कार्य नहीं कर सकेंगे।

2-किसी से न कहें कि यह उनके लिए नहीं है।ः-

यह देखा जाता है कि प्रमुख विश्वासयोग्य अगुवे जब किसी को टीम के सदस्य के रुप में शामिल करना चाहते हैं तब वे परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उस स्थान की पूर्ति के लिए वह उन्हें सर्वोत्तम व्यक्ति दे। परमेश्वर से उत्तर पाने के बाद वे प्रत्येक से व्यक्तिगत रुप से प्रक्रिया शुरु करते हैं। प्रत्येक जाति में सर्वोत्तम अगुवे हैं जो अन्य कार्यों को करने में लगे हुए हैं। वे एक भुगतान पर हमारे टीम के साथ कार्य करने के लिए सहमत हो जाते हैं।

लोगों से कहें कि वे आपकी टीम में शामिल होने से पहले प्रार्थना करें कि यह पद उनके लिए है या नहीं। हाँ में उत्तर प्राप्त होने पर उन्हें टीम में शामिल करें।

Creation Autonomous Academy

3-पहले से परखे गए।ः-

एक अगुवे के रुप में आप कौन सी सबसे बड़ी भूल कर सकते हैं? उत्तर होगा, 'ऐसे लोगों को महत्वपूर्ण पद पर रखना जो पहले से जाँचे गए न हों।'

कैसे आप अच्छे अगुवे पा सकते हैं? 1 तीमु० 3:10 में कहा गया है कि यदि लोग कलीसिया की अगुवाई करना चाहते हैं, 'वे पहले परखे जाएँ।' इन शब्दों के आधार पर विकसित किया गया है 'पहले परखें'। जवान स्त्री-पुरुष मैं सोचता हूँ कि आप एक दिन अगुवे होंगे।

पहले लोगों को समस्या समाधान का मौका देकर देखें कि वे कैसे समस्या का समाधान करते हैं, तब निर्णय लें कि वे आपकी टीम में शामिल होने लायक हैं या नहीं। जब तक पहले परख न लें किसी को महत्वपूर्ण पद पर न रखें। मैं आपको चुनौती देता हूँ कि कुछ समय 'पहले परख' का उपयोग करें और देखें कि क्या वे आपकी सहायता करते हैं।

4-डी एन ए ले जाने वाले।:-

किसी चीज की डीलरशिप के लिए आवश्यक है कि यह डीलरशिप लोगों को सम्मान और समझदारी के साथ देखे। कीमत सही हो और सेवा सही हो। बातचीत स्पष्ट हो। फालोअप तेजी से हो।

आप योजना बनाना आरम्भ करें कि कैसे ये मूल्य जीवित हो उठें। यह आपको अन्य डीलरशिप से भिन्न बनाएगा। फालोअप करना जारी रखें। आप अपने टीम के साथ संगठन के डी एन ए को ले जा रहे हैं।

महान अगुवे जानते हैं जब वे अपने चारों तरफ टीम बना रहे हैं। वे लोगों को जाँच सूची के लिए कार्य नहीं देते। वे डी एन ए के प्रभाव का प्रचार करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि टीम का प्रत्येक सदस्य एक समान स्तर के मूल्य पर हो।

महान अगुवे अपनी टीम के सदस्यों के बीच व्याख्या करने में समय लगाते हैं कि वे उसके विषय में क्या अनुभव करते हैं। कौन से मुद्दे को वे गोली के समान लेते हैं और क्यों। महान अगुवे अपने स्टाफ के सदस्यों को दिखाते हैं कि वे कैसे डी एन ए को अपने जीवन में जिएँ। वे अपने स्टाफ के सामने आवश्यकता को प्रस्तुत करते हैं और प्रत्येक को डी एन ए का हीरो बनाते हैं। अंतिम निर्णय स्टाफ पर छोड़ते हैं। 'यदि हम इन डी एन ए के अनुसार जीवन जिएँगे तो हम टीम के भाग होंगे।' प्रभावशाली अगुवे अपने स्टाफ को चुनौती देते और प्रेरित करते हैं कि वे स्थायी डी एन ए ले जाने वाले बनें।

Creation Autonomous Academy

प्रभु यीशु गुरु के रुप में आया। उसने अपने शिष्यों के सामने वैसा जीवन जिया जिन मूल्यों पर अपने राज्य के लिए वह विश्वास करता था। इस कार्य के द्वारा प्रभु यीशु ने अपने शिष्यों को दिखाया कि उत्साह और नम्रता पुरस्कार लाएगी। परन्तु स्वार्थ, घमण्ड और न्याय पुरस्कार नहीं लाएगा।

प्रभु यीशु ने स्पष्ट किया कौन डी एन ए को प्रगति में ले जाएगा, कौन गलत दिशा में है। मत्ती ने प्रभु की स्तुति की टैक्स लेने वाला विश्वासी बना। प्रभु ने कहा, ‘बहुत अच्छे मत्ती’ धैर्य, आत्मा की अगुवाई में जीवन -आप एक डी एन ए ले जाने वाले हो।

ये शब्द आपके अगुवे को कैसे प्रेरित करेंगे?

क्या प्रभु के पास भवन था? क्या भोजनालय था? क्या वह संस्थापक पास्टर था? यह आपके लिए सत्य है, आप डी एन ए हुक नहीं हैं।

यदि आप स्वयं आनन्दित नहीं हैं अपने संगठन के आरम्भ में तो मेरी सलाह है कि आप संगठन में आने से पहले संगठन के इतिहास एवं परिचय का अध्ययन करें। इसमें कुछ मूल्य हैं जो भविष्य में ले जाए जाएँगे। इनके अनुसार जीवन जीने वाले लोगों को आशीषित करें। तब जब सही समय हो प्रत्येक को सिखाएं कि नए डी एन ए कैसे दिखते हैं।

5-ग्यारहवें घंटे में आश्चर्य नहीं है।:-

अगुवाई देखने की प्रक्रिया है। अगुवे समस्या को जानना चाहते हैं। क्या कारण है कि विकास नहीं हो रहा है। विकास का न होना सेवा की उपलब्धि को समाप्त कर देगा। अगुवे तैयार रहना चाहते हैं। वे अ,ब,स योजना चाहते हैं जिससे वे तुलना कर सकें, गलती से बच सकें और विरोधियों को पराजित कर सकें। यह करने के लिए अगुवे परमेश्वर द्वारा तैयार किए गए।

एक सहकर्मी एक कार्य अपने अगुवे के लिए कर सकता है। तब वह टास करेगा कि गयारहवें घंटे में आश्चर्य क्या होगा। अंतिम समय में विस्फोटक प्रश्न अन्यथा सक्रिय व्यक्ति निष्क्रिय हो सकता है। एक अच्छा समस्या समाधान करने वाला झगड़ालू बन जाएगा, एक लम्बे समय की योजना बनाने वाला व अपनी सभी क्षमता लगा देने वाला मात्र चौबीस घंटे लगाने वाला बन जाएगा। जब आप एक अगुवे को समय से बाहर कर देते हैं तब आप उसकी समस्या समाधान की क्षमता को सीमित कर देते हैं।

Creation Autonomous Academy

ग्यारहवें घंटे में कोई आश्चर्य नहीं टीम। तथ्यों का सामना करें, यह देखें कि दसवें घंटे में क्या हो रहा है, यह कैसे और क्यों हो रहा है।

टीम में स्पष्ट करें कि वे जब देखें कि कुछ छूट रहा है। तब दिन समाप्त होने के पहले मुझे इसके बारे में जानकारी दे दें। ‘यदि मैं समय से इसके विषय में पर्याप्त रुप से जान जाऊँ, तो मैं इस मुद्दे के समाधान के लिए एक टीम बना सकूंगा।’ क्या हम सब इससे सहमत हैं?

6-वास्तव में आप कैसे कर रहे हैं?:-

यदि आप किसी से पूछें कि आप कैसे कर रहे हैं? तो सामान्यतः उत्तर प्राप्त होगा सब कुछ ठीक है। यदि आप वास्तव में जानना चाहते हैं कि उनके अन्दर क्या चल रहा है। तो इस प्रश्न को भिन्न तरीके से पूछना होगा। ‘वास्तव में आप कैसे कर रहे हैं?

मैं सेवा को व्यवसायिक नहीं बनाना चाहता जिससे सम्बन्ध और समूह बाहर हो जाएं। समूह के बीच आपसी सम्बन्ध बना रहना आवश्यक है। यह देखें कि आज के दिन टीम के सभी सदस्य ठीक हैं। यदि टीम का कोई सदस्य चिन्तित और निराश है, तब आवश्यक है कि आप उसके बारे में जानें। यह एक अगुवे होने के नाते ही नहीं बल्कि भाईचारे के प्रेम में हमारी जिम्मेदारी है।

गलातियों 6:2 में प्रेरित पौलुस कहता है कि हम मसीह की व्यवस्था को पूर्ण करते हैं जब हम ‘एक दूसरे का भार उठाने के लिए’ सहमत होते हैं। ‘एक दूसरे का भार उठाओ और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूर्ण करो।’ जिन लोगों की आप अगुवाई कर रहे हैं वे जानें कि वे एक बोझ उठाने वाली टीम के भाग हैं। वे जानें कि उनके लिए एक स्थान है जहां जिन समस्याओं का वे व्यक्तिगत और व्यवसायिक रुप से सामना कर रहे हैं उन्हें वे बता सकते हैं। वे जानें कि बाहर की अपेक्षा वे अपने सहकर्मियों पर भरोसा कर सकते हैं। साधारण रुप से यह वैधानिक है कि आपके पीछे चलने वाले जानें कि क्यों वे मीटिंग में बैठे हैं? क्यों वे मुस्कराहट को ओढ़े हुए हैं? कुछ अच्छा नहीं है अथवा कुछ अन्दर चल रहा है।

मीटिंग के पहले टीम सदस्य की हालत को जानें। उसकी भावनाओं को जानें। हम ऐसा कह सकते हैं कि टीम हम तीन या चार घंटे एक बड़े मुद्दे पर विचार करने जा रहे हैं, जिनका सामना हम अपने चर्च में कर रहे हैं। लेकिन इसके पहले कि हम कार्य में लग जाएं, मैं चाहता हूं कि हम सब एक गोला बनाएं और प्रत्येक इस प्रश्न का उत्तर दे, ‘वास्तव में आप क्या कर रहे हैं?’ मैं जानता हूं कि आप सब अच्छे दिख रहे हैं, लेकिन क्या आप वास्तव में अच्छा कर रहे हैं? एक या दो मिनट दें प्रश्न की गहराई में जाएं। इसके बाद हम तब व्यवसायिक मुद्दे को लेंगे जिसको हम हल करना चाहते हैं।

Creation Autonomous Academy

जब प्रत्येक इस प्रश्न का उत्तर दे चुके कि, ‘वास्तव में आप क्या कर रहे हैं?’ तब प्रत्येक परिस्थिति के लिए चाहे वह अच्छी हो या बुरी प्रार्थना करें। अनुभव बहुत बड़ा नहीं होगा बल्कि परिणाम अच्छा होगा। जब हम व्यवसायिक मीटिंग के भाग में जाएँगे, हम अनुभव करेंगे और अपने टीम के प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत रुप से समझेंगे। एक टीम के रुप में प्रत्येक को समझेंगे।

7-मेज के चारों तरफ सही लोगों को रखें।:-

जब वास्तव में एक कठिन परिस्थिति आती है एक अगुवे के रुप में आप क्या करते हैं। जब आप नहीं जानते कि क्या करें। ऐसे में अपने मेज के चारों तरफ सही लोगों को रखें। यदि मेज के चारों तरफ सही लोग होंगे तो निश्चित है कि परमेश्वर उनके द्वारा बोलेगा। आपके द्वारा अथवा सामूहिक बातचीत के द्वारा बोलेगा और दिखाएगा कि हम किस दिशा में जाएँ।

मेज के चारों तरफ सही लोगों को रखें। मैं इस सिद्धान्त पर विश्वास करता हूँ। प्रत्येक गम्भीर समस्या मनुष्य द्वारा जानी जा सकती है और उसका समाधान किया जा सकता है। जब सही लोग बातचीत के लिए आमंत्रित किए जाते हैं।

यशा० 54:17 में प्रतिज्ञा है,'तेरी हानि के लिए बनाया गया कोई भी हथियार सफल न होगा, और जितनी भी जीभें तुझ पर दोष लगाएँ तू उन्हें दोषी ठहराएगी। यहोवा के दासों का यही भाग होगा, और वे मेरे कारण निर्दोष ठहराए जाएँगे।' यहोवा की यही वाणी है। इसका अर्थ है कि परमेश्वर के अनुग्रह से उसकी सहायता से लोग किसी भी समस्या का समाधान निकाल सकेंगे। कोई भी सताव या हमला सफल नहीं होगा। जिसे आप नहीं जानते कार्य करने के लिए परमेश्वर उसे उपयोग करता है।

बहुत सारी समस्याएं हैं जिनका समाधान नहीं हो सका है। परन्तु प्रतिदिन इस विश्वास के साथ प्रातः उठें कि बहुत से सही लोग जो परमेश्वर से, कलीसिया से, और एक दूसरे से प्रेम करते हैं। एक दूसरे के प्रति समर्पित हैं, समस्या समाधान के लिए समर्पित हैं। तो कोई भी ऐसा पहाड़ नहीं है जिसे हम हटा न सकें।

8-जानें कि संचालक कौन है।:-

मीटिंग के आरम्भ से पहले यह पूछना कि कौन चला रहा है। यह एक कठिन प्रश्न है। मीटिंग समाप्त होते ही संचालक से मिलें। मीटिंग समाप्त होने के पहले देखें कि इंचार्ज कौन था और उससे कहें,'क्या आप इस मीटिंग को सही तरीके से चला रहे हैं? इसलिए आप इस कार्य के लिए सुनिश्चित हैं कि फालोअप करना आवश्यक होगा। किसी को नियुक्त करें जो रिकार्ड रखे। यह इसलिए पूछना है कि 'कौन चला रहा है' क्योंकि दर्जनों गुणवान संचालकों को सेवा में खड़ा करना है। यह आप अपने संदर्भ में करें।

Creation Autonomous Academy

9-अगुवे की गति टीम की गति।:-

प्रभु यीशु ने अगुवाई में इन शक्तिशाली शब्दों का उपयोग किया, 'मेरे पीछे हो ले।' प्रेरित पौलुस विश्वासियों को बताता है वैसा सोचें जैसा प्रभु यीशु सोचता है। प्रभु 'मेरे पीछे हो ले।' उदाहरण के द्वारा अगुवाई की शक्ति की तरफ ले जाता है।

विश्वासियों के मनों में अनेक प्रश्नों की श्रंखला होती है। अच्छा होगा कि प्रश्न का उत्तर सरल रुप से उनके अगुवों के देखरेख द्वारा दिया जाए। जब विश्वासी आश्चर्यचकित होते हैं कि वे अपने कार्यों में कैसे आनन्दित हैं। तब उन सब के आनन्द के स्तर की उनके अगुवों के द्वारा जाँच की जाए। 'वे कैसे आनन्दित हैं? इस प्रश्न को अगुवे स्वयं से पूछें। मैं कितना आनन्दित हूँ और वे कितना आनन्दित हैं? जितना अगुवा आनन्दित होगा उतना वे आनन्दित होंगे। अपने प्रत्येक कार्य की गति में वे अपने अगुवे को देखें यही सही उत्तर है।

अगुवे दूसरों से यह अपेक्षा न करें कि वे कोई भी कार्य अपने आप से करेंगे। जितना समर्पण, सक्रियता व धैर्य अगुवे स्वयं करते एवं प्रतिदिन घोषणा करते हैं। उससे उच्च स्तर के समर्पण, सक्रियता व धैर्य की अपेक्षा वे दूसरों से न करें।

यदि आप अपने विश्वासियों से नहीं कह सकते कि 'मेरे पीछे हो ले।' इसका अर्थ है कि आप समस्या में हैं। अगुवे की गति टीम की गति होती है।

मेरे मूल्यों के पीछे चलें। मेरी विश्वासयोग्ता के पीछे चलें। मेरी कार्यशैली के पीछे चलें। मेरे समर्पण और मेरे बातचीत के तरीके के पीछे चलें। संघर्ष करें जैसा मैं संघर्ष करता हूँ। बलिदान करें जैसे मैं बलिदान करता हूँ। प्रेम करें जैसे मैं प्रेम करता हूँ। आदर करें जैसे मैं आदर करता हूँ। अगुवाई करें जैसे मैं अगुवाई करता हूँ।

Creation Autonomous Academy

10-अभिवादन और बिदाई पर ध्यान दें।:-

अभिवादन और बिदाई प्रत्येक मीटिंग का महत्वपूर्ण भाग होता है। एक आदत बनाएँ। मीटिंग आरम्भ होने से पहले मीटिंग में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत, जोशीला, गर्मजोशी भरा, उच्च सम्बन्ध के साथ और उनकी आँखों में देखते हुए अभिवादन करें। मीटिंग की समाप्ति पर एक चीज करें। मीटिंग समाप्त होते ही जल्दी से दरवाजे पर जाएँ, जाने से पहले प्रत्येक सदस्य को धन्यवाद दें।

मीटिंग की समाप्ति पर सबसे हाथ मिलाकर धन्यवाद के साथ अलविदा कहें। इससे मीटिंग में लोगों की उपस्थिति बढ़ जाती है। इससे नैतिकता की भावना बढ़ जाती है। अभिवादन और बिदाई पर ध्यान देने का प्रयत्न करें।

11-बुरी खबर पहले दें।:-

यदि आप अपने संगठन के महत्वपूर्ण वक्ता हैं तब यह छोटा लेकिन महत्वपूर्ण बातचीत का तरीका आपका मित्र होगा। सर्वदा बुरी खबर पहले दें। चाहे वह लिखित हो या मौखिक, छोटा समूह हो या बड़ा। अन्त में किसी के साथ आप बातचीत का क्या टोन छोढ़ते हैं। वे संगठन के भविष्य के बारे में कैसा अनुभव करते हैं? यदि मेरे पास सूचना के पाँच मुख्य भाग अपने टीम को या कलीसिया को या टीम के वरिष्ठ स्टाफ को बताने के लिए होते हैं और उनमें से दो कठिनाई के बरे में होते हैं। मैं उन कठिनाई वाले भागों को पहले बताता हूँ। मैं उनकी व्याख्या करता हूँ।

एक बार जब बुरी खबर बाहर आ जाती है मैं स्वतंत्र अनुभव करता हूँ। तब मैं अच्छे और सकारात्मक भागों की बात करता हूँ। कुछ ऐसी चीजें हैं जिनका हम तुरन्त आनन्द नहीं उठा सकते हैं। हम भविष्य की ओर जा रहे हैं। परमेश्वर पर पूर्ण भरोसा करने की तरफ जा रहे हैं। हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा परमेश्वर कुछ अद्भुत करने जा रहा है।

सामान्यतः अगुवे मीटिंग में अच्छी खबर पहले प्रस्तुत करते हैं। मैं वास्तव में बुरी खबर पहले देने के बारे में बात करना चाहता हूँ। बुरी और अच्छी खबर के बीच आप बुरी खबर को किस स्थान पर रखते हैं? आवश्यक है कि एक अगुवे के रुप में आप बुरी खबर को पहले बताएँ।

12-बदलाव का नाला।:-

यह बहुत बड़ी परीक्षा है छोटे से उन लोगों के समूह के लिए जो एक दूसरे को सत्य नहीं बताते, एक दूसरे के साथ आनन्द नहीं मनाते। वे एक दूसरे से छिपाते हैं, वे अनकही बातों को अलग एक तरफ रख देते हैं। 'मैं अपनी बात को बताना नहीं चाहता न आपकी बात को सुनना चाहता हूँ जो आप कहना चाहते हैं।' दो कालम बनाएँ एक तरफ सही और दूसरी तरफ गलत समुदाय को रखें। विचार करें कि कैसे हम एक स्थान से दूसरे स्थान की तरफ जा सकते हैं।

Creation Autonomous Academy

इसे दो गोलों से जुड़े एक नाले के चित्र से समझाया जा सकता है। यह बदलाव का नाला है। इसमें उतर कर आप गलत से सही की तरफ जा सकते हैं और इसके विपरीत भी हो सकता है।

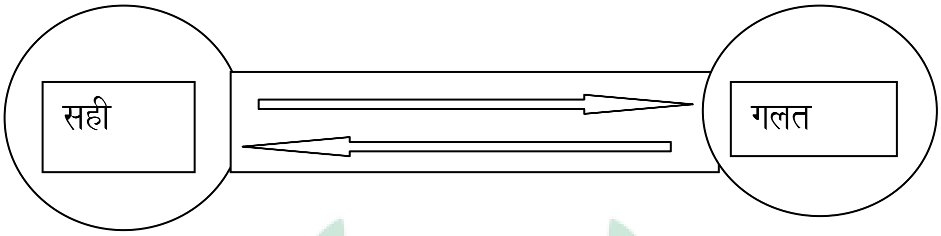

तीन महत्वपूर्ण सम्बन्धों के बारे में सोचें। पत्नी के साथ सम्बन्ध, परिवार के साथ सम्बन्ध, नजदीकी मित्र के साथ अथवा व्यवसायिक सहभागी के साथ सम्बन्ध। एक दूसरे से सम्बन्ध बनाने की तरफ क्या ले जाता है? उत्तर होगा बदलाव का नाला। आपके मन में अभी क्या बैठना चाहता है? उत्तर है हताशा, निराशा और तनाव। बदलाव के नाले में कोई गहराई में उतरना नहीं चाहता।

प्रार्थना करें, विश्राम करें और जब पवित्र आत्मा अगुवाई करता है बदलाव के नाले में प्रवेश करने के लिए समर्पित हों। यह चरित्र, प्रेम और भरोसे की परख है।

13-यह तुरन्त कहें।:-

जो लोग मसीही संगठनों में कार्य करते हैं वे बात को नम्रता पूर्वक और ग्रहणयोग्य करके प्रस्तुत करते हैं। सर्वोत्तम अगुवे छिपाते नहीं वे कहते हैं, ‘समय बहुमूल्य है और हमारे पास आज करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने मन में कुछ रखे हैं इसलिए मैं आपको पूर्ण स्वतंत्रता नहीं देना चाहता, अभी बाहर आएँ और तुरन्त बोलें। जब तक आप स्पष्ट नहीं करेंगे तब तक उन्नति नहीं कर सकते। इसलिए एक बार फिर----इसे तुरन्त कहें।’

Creation Autonomous Academy

अगुवे इस प्रकार का वातावरण उत्पन्न करें कि लोग अपने को सुरक्षित महसूस कर सकें। जिससे कि वे स्पष्टता से बोल सकें, वे सीधे समूह से बातचीत कर सकें। सम्पूर्ण ग्रुप सत्य को स्पष्टता से बोल सके। मीटिंग को रोकें और टीम के प्रत्येक सदस्य के पल्स रेट को देखें। कहें, ‘हम प्रत्येक को जो इस गोले में है आमने -सामने सुनना चाहते हैं। अपना दस सेकेण्ड समय दें और प्रतिक्रिया दें। भूमिका न बाँधें, जोड़ें-घटाएँ नहीं अथवा छिपाएँ नहीं। सही रुप से तुरन्त अपनी बात कह दें।’ इससे आपका समय बचेगा और आपके सहकर्मी मीटिंग के बाद आपको धन्यवाद देंगे।

14-असहमत लोग खून नहीं बहाते ।:-

जब लोग असहमत होते हैं तो वे खून नहीं बहाएँगे। प्रभावशाली अगुवे धैर्य रखने से घबराते नहीं वे उसका स्वागत करते हैं। समय-समय पर धैर्यपूर्वक बातचीत व्यक्तिगत आक्रमण को घटाते हैं। आवश्यक है कि अगुवे घटना होने के पहले जानकरी प्राप्त करें। आपकी टीम को जानना आवश्यक है कि आप एक अगुवे के रुप में बैठे नहीं रह सकते अथवा अवसर नहीं दे सकते कि एक मीटिंग संघर्ष में बदल जाए।

इफि० 4 'सत्य प्रेम में' प्रभु के शिष्यों के लिए पौलुस के इस कथन से खण्ड आरम्भ होता है।,'जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए हो उसके योग्य चाल चलो।' क्या है जो इस प्रकार के जीवन को बनाता है? उत्तर है दीनता, नम्रता, धीरज और शान्ति। अगुवे एकता में सहभागी हो अगुवाई करते हैं। यहां तक कि असहमति की गर्मी में भी वे अगुवाई करते हैं।

15-दया का छाता।:-

खतरे के स्थान के बाद एक रचनात्मक मीटिंग। एक अगुवा खड़ा होकर कहता है, 'टीम हमारे पास योजना बनाने का समय है (अथवा एक समस्या का समाधान करने का अथवा एक नयी श्रृंखला लांच करने का) और हमें महत्वपूर्ण विचारों की आवश्यकता है। याद रखें यहां कोई बुरे विचार नहीं हैं। आइए सब कुछ सामने लाएँ। क्योंकि जब आप सोचते हैं कि एक विचार बुरा है यह एक अच्छे विचार की तरफ हमारी अगुवाई करता है जिसकी हमें आवश्यकता है।

इस प्रकार के ढाँचे के लिए यह मानक भाषा है। क्यों अगुवे विश्वास करते हैं कि यहाँ कोई बुरे विचार नहीं हैं। अनुसरण करने वालों को एक बड़ा खतरा है जो इस विचार की तरफ आते हैं। प्रत्येक रचनात्मक सत्र में एक या अनेक बिन्दु आते हैं। किसी के पास विचार तो है परन्तु उसके पास राई के दाने के बराबर भी साहस नहीं है कि वह उसे बता सके। इसकी अपेक्षा कि वह अपने सहकर्मियों-मित्रों की आलोचना का सामना करे वह उसे गुप्त रखता है। 'दया का छाता' के विचार को रचनात्मक मीटिंग में लाएँ। हम पर थोड़ी दया करें। यह समझौता है जब हम देखते हैं कि टीम का एक सदस्य दया के छाते से बाहर हो गया है। यह अभ्यास किसी भी मीटिंग में सहायक है। मीटिंग में अकेले ही नहीं बल्कि सभी सदस्य दया के छाते में हों। प्रत्येक को अपनी आँखों में देखने दें और प्रत्येक से व्यक्तिगत प्रतिज्ञा करें कि वे विचार को रखते समय अपने को सुरक्षित महसूस करें। जब सब उत्तर दे चुकें तब आगे बढ़ें। आवश्यक है कि हमारे बड़े से बड़े विचार दया के छाते में हों।

Creation Autonomous Academy

16-समझने में मेरी सहायता करें।:-

एक अगुवे के लिए एक बड़ी शिक्षा है। जब कोई सदस्य गलती करता है। जब हम जैसा सोचते हैं वैसा करने में विफल हो जाते हैं। जब संगठन का मूल्य टूट जाता है। यह स्थिति हमें परमेश्वर की ओर ले जाती है। जब धैर्य रखकर भूलों को स्वीकार करना आरम्भ होता है। बातचीत के शब्दों को 'समझने में मेरी सहायता करें।' ऐसे समय में इन शब्दों का उपयोग करें कृपया समझने में मेरी सहायता करें।

17-अगुवे नियंत्रक होते हैं:-

नियंत्रण आवश्यक है। समय समाप्त हुआ यह कहने से नहीं हिचकना है। मीटिंग के नियम बनाएँ। प्रत्येक सदस्य एक दूसरे से आदर के साथ बातचीत करें। एक दूसरे को रोकें नहीं, एक दूसरे के विचारों को न रोकें, एक दूसरे को सुनें। हम उचित शब्दों को बोलें। यह प्रक्रिया परमेश्वर को महिमा देने की तरफ ले जाएगी।

प्रभावशाली अगुवे नियंत्रक होते हैं। अपनी पूरी टीम को प्रगति की ओर रखें। मीटिंग पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए नियंत्रक नियुक्त करें।

नियंत्रक नियुक्त करना अगुवे की जिम्मेदारी है। किन्तु इस बोझ को अकेले न उठाएँ। यदि आप विश्वासयोग्य हैं तो आपकी टीम न केवल आपके नियंत्रण को स्वीकार करेगी बल्कि एक नियंत्रक का चुनाव करने में आपकी सहायता करेगी।

18- वास्तविक समय पर शिक्षा दें।:-

वास्तविक सही समय पर टीम को शिक्षा दें जिससे कि टीम अच्छी व उन्नत हो सके। जितना जल्दी सम्भव हो सके उतना जल्दी शिक्षा दें। यदि कोई गलती करता है तो इसकी अपेक्षा कि आप मूल्यांकन के समय की प्रतीक्षा करें अथवा भविष्य में सिखाने की प्रतीक्षा करें, उस टीम सदस्य को उसी जगह सही करें। प्रभु यीशु ने अपने टीम के सदस्यों को जीवन की वास्तविक परिस्थितियों में चुनौती दिया। जब उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता हुई उन्हें सही किया और शिक्षा दिया। सही समय पर टीम की कोचिंग आवश्यक है।

अगुवा तत्काल प्रभाव के बारे में तुरन्त अपने सहकर्मियों को बताए। सात दिनों अथवा सात घंटों की प्रतीक्षा न करे। उन्हें बता दे कि क्या कार्य कर रहा है और क्या नहीं कार्य कर रहा है। जब चीजें सही

Creation Autonomous Academy

जा रही हैं उनकी सराहना करे, जब चीजें सही नहीं हो रही हों तुरन्त जल्दी से शिक्षा दे जिससे कि चीजें सही ट्रैक पर आ सकें।

19-तुरन्त स्पष्ट हों।:-

‘हमें पूर्ण स्वराज चाहिए।’ (गांधी जी के नेतृत्व में कांग्रेस का निर्णय) यह एकदम स्पष्ट है। सम्पूर्ण विश्व की कलीसियाओं में उपस्थित होने वाले विश्वासियों से सुना जाता है कि अगुवे स्पष्ट नहीं हैं। वे अपने पास्टर से चाहते हैं कि वह स्पष्टता से बोले। वे अपने अगुवों से चाहते हैं कि अगुवे स्पष्टता से बोलें। लोग कहते हैं, ‘देखो, रविवार की प्रातः दर्जनों कार्य करने को हैं लेकिन हमने परमेश्वर की कलीसिया का भाग होने को चुना है। हम बच्चों को उठाते हैं, हम कार चलाते हैं, हम यहाँ बैठते हैं, हम इस या उस रास्ते पर दौड़ते हैं।’ जिम्मेदारी बताएँ, सभा को बताएँ क्या करना है। तुरन्त बताएँ और कृपया स्पष्ट करें।

महान अगुवे स्पष्टता को जानते हैं। यह दिन प्रतिदिन बातचीत के दौरान व्यवहारिक रुप से आता है। तुरन्त स्पष्ट हों, तुरन्त स्पष्ट करें। तुरन्त स्पष्ट करें का क्या अर्थ है? मैं आपसे कहता हूँ कि आप यह न करें अथवा मैं आपसे कहता हूँ कि आप वह करें।

20-A, B अथवा C दें।:-

प्रत्येक स्टाफ के कार्य के अनुसार उसे **A, B अथवा C** ग्रेड दें। एक मूल्यांकन पद्धति निर्धारित करें जिससे कि वे जान सकें कि वास्तव में वे कैसे कार्य कर रहे हैं। **A, B अथवा C** दें परन्तु ध्यान दें तथ्य स्पष्ट हों।

A= Exellent (सर्वोत्कृष्ट)

B= Good (अच्छा)

Creation Autonomous Academy

C= Improvement is needed soon (सुधार की आवश्यकता है।)

यदि सेवा को ऊपर उठाना चाहते हैं तो इस प्रकार मूल्यांकन करना होगा। C ग्रेड के सदस्य को अपना भविष्य बदलना चाहिए अथवा उसे सेवा के नए प्रभाग में जाना चाहिए अथवा उसे सब कुछ छोड़ कर जाने के लिए कह देना चाहिए। कोई भी व्यक्ति निरन्तर अपने को C ग्रेड में नहीं रखना चाहता है।

जिनको B ग्रेड मिला है उनका परफार्मेन्स अच्छा है। अच्छे व्यवहार के साथ वे बड़े गतिरोध को तोड़ने के विचार नहीं कर पाते हैं। लेकिन वे विश्वासयोग्य हैं।

अन्ततः A ग्रेड वाले सदस्य को सर्वोत्तम सदस्य माना जाता है। ये कम मात्रा में होते हैं। हम उन्हें अतिरिक्त साधन और शिक्षा का मौका देते हैं। उनका सम्मान किया जाए और चुनौती दी जाए। A ग्रेड वाले टीम सदस्य को चिन्हित करना है और उत्सव मनाना है।

संगठन का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सफलता और असफलता के विषय में जानना चाहता है। **A, B अथवा C** ग्रेड मूल्यांकन का सही तरीका है।

21-संक्षिप्त लेखा-जोखा रखें।:-

जब व्यक्ति एक साथ कार्य करते हैं तो कुछ चीजें अच्छी और कुछ दुःखद होती हैं।

इफि० 4:26 क्रोध तो करो पर पाप न करो। तुम्हारा क्रोध सूर्य अस्त होने तक बना न रहे। मत्ती 5 सिखाता है कि स्वयं को देखें, शीघ्र मेल-मिलाप कर लें और अपराधी को क्षमा करें।

जैसे ही इनफेक्सन दिखे उस पर तुरन्त ध्यान दें और जितना जल्दी सम्भव हो सके उतना जल्दी उसका समाधान करें। शीघ्र मेल-मिलाप कर लें। इस बात से सहमत हों कि संक्षिप्त लेखा-जोखा रखें।

उच्च स्तर के संगठनों में भी देखा गया है कि वे विरोधों से स्वतंत्र नहीं हैं। ये संक्षिप्त लेखा-जोखा रखने के प्रति समर्पित हैं।

22-हम समझ गए हैं कि यह एक दूसरे के साथ मिलकर करें।:-

टीम वर्क के सम्बन्ध में सभी जगह अगुवाई में बड़ी चुनौतियां हैं। अन्तरनिर्भर टीम से प्रेम करें। समस्या समाधान की तरफ अगुवाई करें। एक दूसरे से प्रेम करें और लक्ष्य को एक साथ मिलकर प्राप्त करें। हमारे लिए महत्वपूर्ण है कि हम एक साथ कार्य करें।

हम समझ गए हैं कि इसे हम एक साथ मिलकर करें। प्रत्येक समस्या का समाधान हम एक साथ मिलकर करें। एक गोला बनाकर एक साथ टीम के साथ प्रार्थना करें। टीम के सदस्य के लिए आवश्यक है कि वे अनुभव करें कि वे मित्र योद्धा हैं। अर्थात एक साथ मिलकर लड़ेंगे।

आगे के समय में जब आप परमेश्वर के राज्य की लड़ाई में हों तब प्रार्थना करें और परिश्रम से लड़ें। लेकिन युद्ध के अन्त में यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उन सदस्यों की अनोखी सहभागिता का

Creation Autonomous Academy

व्यक्तिगत रुप से सम्मान करें, जिन्होंने विजय की घटना को अंजाम दिया है। वे जानें कि कैसे उनकी प्रगति आपकी प्राथमिकता में है। आप लोगों को उच्च प्राथमिकता में रखें। यह मधुर भाग है कि वे आपसे तथ्यों और चुनौतियों को सुनें। इन शब्दों को उपयोग करने का प्रयास करें, ‘हम समझ गए हैं कि इसे एक साथ मिलकर करें।

Creation Autonomous Academy

अध्याय-9

कार्य कलाप और जाँच

1-एक नीले आकाश का दिन।:-

एक अद्‌भुत वरदान परमेश्वर ने लोगों को दिया है। वह रचनात्मक रुप से सोचने की क्षमता है। जब कलीसिया में चीजें स्थापित होती हैं परमेश्वर दोषी नहीं ठहराएगा। सामान्यतया कलीसिया के अगुवे समय से बाहर नहीं जाते, सही वातावरण विकसित करते हैं। नये विचारों को सोचने में अपनी शक्ति लगाते हैं। चल रही चीजों को बिना रोके क्या अतिरिक्त चीज कर सकते हैं।

दृढ़ता से एक वातावरण की रचना करें। स्वतंत्र विचार की सहभागिता और विचार रचना के लिए एक एकान्त स्थान, एक कलीसिया सदस्य का घर, एक रेजार्ड के नजदीक अथवा झील पर बने एक केबिन का उपयोग करें। नये विचार के लिए पर्याप्त समय दें। नये विचारों के लिए टीम को स्पष्ट करें कि, 'प्रत्येक विचार अच्छा विचार है।' इस तरह रचनात्मक विचार बनेगा। इस नीले आकाश के विचार को आप स्वयं अपनाएँ। ऐसे विचारों पर सोचें जिन्हें आपने पहले कभी नहीं सोचा। वरिष्ठ अगुवे नये अगुवों को तैयार करने में इसे उपयोग करें। लेखा विभाग नये तरीके से लेखा -जोखा रखने में इसे उपयोग करे।

Creation Autonomous Academy

2-सक्रिय हों।:-

जब प्रभु यीशु ने पौलुस को दमिश्क के मार्ग पर पकड़ा वह उसकी कार्यक्षमता को जानता था।

लूका 5 में एक समय, जबकि भीड़ यीशु को चारों ओर से घेरे हुए परमेश्वर का वचन सुन रही थी, वह गन्नेसरत की झील के किनारे खड़ा हुआ था। उसने झील के किनारे लगी हुई दो नावें देखी, परन्तु मछुवे उनमें से उतर कर अपने-अपने जाल धो रहे थे। वह उनमें से एक नाव पर चढ़ गया जो शमौन की

थी और उसने उससे कहा कि नाव को किनारे से कुछ दूरी पर हटा ले। और वह नाव पर बैठकर भीड़ को उपदेश देने लगा।

अचानक प्रभु यीशु ने समुद्र में स्वयं से आवश्यक गुण को पकड़ा। लेकिन मामले को उसने अपने हाथ में लिया। व्यक्ति के बारे में कोई नयी सूचना नहीं, वह अपनी टीम को समझाने के विषय में सोच रहा था। प्रभु यीशु समझाना चाहते थे कि पतरस के साथ क्या होगा जब संघर्ष और चुनौतियां इस तरीके से आयेंगी। इसलिए उसने पतरस को परीक्षा में डाला।

'हमें अपना हाथ दो, क्या आप पतरस हो?' यह निवेदन था जो प्रभु यीशु ने किया। बहुत अधिक नहीं एक सेकेन्ड सोचने के बाद, 'पतरस ने कहा हाँ, अवश्य मैं सहायता करुँगा। अवश्य मैं सक्रिय होऊँगा जिन क्षेत्रों में आवश्यकता है मैं उसमें सहायता करुँगा, बिल्कुल हाँ।

जब प्रेरितों ने हाँ कहा इसके पीछे प्रेरणा थी। पतरस को नहीं पता था कि वह इस घटना में जाँचा जा रहा था। पतरस आवश्यकता के विषय में सब कुछ जानता था, वह पूर्ण रुप से तैयार किया गया था। उसने उस आवश्यकता को पूरा किया।

क्योंकि पतरस सक्रिय हुआ, परीक्षा में सफल हुआ, प्रभु यीशु ने उपदेश समाप्त किया और राज्य फैला।

सम्पूर्ण चीज साधारण है लेकिन ईमानदार बनें। क्या आप सक्रियता की जाँच करते हैं जब कोई आपके साथ जुड़ना चाहता है?

पतरस कह सकता था प्रभु मैंने सारी रात मेहनत की है, मैं बहुत थक गया हूँ। क्या इस शिक्षा के लिए आपने किसी और को नहीं पाया। प्रभु सक्रिय होने वाले व्यक्ति को देख रहा था। उसने देखा कि पतरस के पास बहुत ताकत है। यदि प्रभु कार्य करने वाले लोगों को प्रशिक्षित करना चाहता है, निर्णय लेने वालों को प्रशिक्षित करना चाहता है तो अपने वर्तमान अगुवों से वह क्या आशा करता है? यही कि वे सक्रिय हों।

Creation Autonomous Academy

यदि आपके चारों तरफ सक्रिय कार्यकर्ता हैं तो वे एक समय में सक्रिय हो जाएँगे। पतरस एक समय स्वयं प्रभु के सामने अति सक्रिय हुआ। याद करें प्रभु के गिरफ्तार होने के पहले पतरस ने महायाजक के दास के कान काट दिए। पतरस को समझाने के पहले प्रभु ने उस दास के कान को ठीक किया।

किसी को भर्ती करने के पहले उसकी सक्रियता को जाँचें।

मित्रों दरवाजा खुला है, फसल पकी है, यह अभी सक्रिय होने का समय है। सक्रियता की तरफ अगुवाई करें।

3-परफार्मेन्स (कार्यान्वयन) स्वतंत्रता लाता है।ः-

लोगों का प्रबन्धन करें। यदि स्टाफ सदस्य वास्तव में अपने कार्य को अच्छी तरह से कर रहे हैं, अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं तब उन्हें अधिक स्वतंत्रता दें और उनके कंधों से बोझ कम करें।

स्वतंत्रता की भावना की व्याख्या यह है, ‘इस व्यवहार को आपने ठोस परफार्मेन्स के द्वारा प्राप्त किया।’ उन्नति अथवा अवनति प्रबन्धशैली व परफार्मेन्स के द्वारा प्राप्त होती है। परफार्मेन्स ठीक न होने पर जांचने की आवश्यकता है। संगठित करने की आवश्यकता है। विशेष मीटिंग बुलाने की आवश्यकता है। समस्या की गहराई में जाकर अतिशीघ्र इसे ठीक करने की आवश्यकता है। लेकिन स्टाफ को चुनाव करने देना है। हमारा कार्य यह बताना है कि परफार्मेन्स स्वतंत्रता लाता है।

यह दर्शन अगुवों की सहायता करता है कि वे रणनीतिक योजना द्वारा अगुवाई करें। जब एक टीम आँखों-आँखों में देखती है तो समस्या समाधान का समय आगे सेवा कार्य करने की तरफ ले जाता है। यह दर्द के साथ परन्तु स्वतंत्रता देता है।

यह आप स्वयं से निर्णय लें कि आप अपनी टीम को कैसे व्यवस्थित करेंगे। लेकिन जो भी आप करते हैं कृपया उसका निर्णय लें। अपने प्रबन्ध दर्शन को ठोस करें।

इस मुद्दे को अवसर पर न छोड़ें। पहले से अच्छी तरह से कार्य करने के द्वारा परमेश्वर की सेवा होती है। लोगों को अगुवाई प्राप्त होती है।

4-छोटी वस्तु की मिठासः-

Creation Autonomous Academy

मौसमी अगुवे बहुत ऊँची उड़ान उड़ने की कोशिश करते हैं। वे बहुत तेज दौड़ते हैं। छोटी-छोटी चीजों की मिठास का ध्यान नहीं रखते। अपने संगठन में शामिल होकर बड़ी- बड़ी चीजों की आशा करते हैं। जितना अधिक समय उन्होंने अगुवाई किया है उतना अधिक वे लापरवाही को बढ़ाते हैं। वे मात्र बड़े चित्र के लोग हैं। पच्चास हजार फिट पर उड़ने वाले लोग हैं। इस तरीके के व्यवहार का रवैया जिन सदस्यों की वे अगुवाई करते हैं उन प्रत्येक को सेवा से हटाता है। अधिक चीजों से सीखने में लोग दुःखी होते हैं।

अच्छे अगुवे छोटी-छोटी चीजों की आवश्यकता के लेखे-जोखे के सही आकार को जानते हैं । जो उनके कार्य को अच्छा करते हैं, वे उन चीजों की रखवाली करते हैं। वे फोन काल का जबाब देते हैं, पत्र एवं ईमेल का उत्तर देते हैं। वे समय से एवं स्पष्टता से अपने पीछे चलने वालों के प्रश्नों का उत्तर देते हैं। वे अपने संगठन के आय की वृद्धि पर अंगुली रखते हैं। वे बोर्ड को सही सुचना का ईमेल भेजने के द्वारा अपडेट रखते हैं। मैं उनको इन कार्यों को करने का सुझाव नहीं देता, बल्कि वे जिन कार्यों व चीजों की आवश्यकता महसूस करते हैं वे उनका स्वाद लेते हैं। परिणाम स्वरुप वे कार्य करने के लिए तैयार रहते हैं और व्यक्तिगत रुप से जिम्मेदार बनते हैं।

कार्य करने के लिए चुनौती दें एवं समझाएं। यदि लोग इसके बावजूद कार्य नहीं करते तो उनको बाहर जानें का रास्ता दिखाएँ। परन्तु इसके पहले चेतावनी दे दें कि यह अंतिम बार समझाना है। इसका कोई मायने मतलब नहीं है कि आप कौन हैं, आप कितना व्यस्त हैं, अथवा कितने लोगों की आप अगुवाई कर रहे हैं। छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखें।

5-करने योग्य बनाम न करने योग्य कठिनाइयाँ।:-

समस्या का समाधान करें। क्या एक चर्च का बढ़ना कठिन है? स्टाफ खरीदना क्या कठिन है? क्या पैसा एकत्र करना कठिन है? क्या संदेशों को एक साथ रखना कठिन है? क्या प्रभु के पीछे चलने के लिए लोगों की शिष्यता करना कठिन है? कुल मिलाकर क्या सेवा कठिन है?

उत्तर हाँ अथवा न

इफि० 6 कहता है, ‘हमारा संघर्ष तो मांस और लहू से नहीं वरन प्रधानों, अधिकारियों, अन्धकार की सांसारिक शक्तियों तथा दुष्टता की उन आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।’ सेवा कठिन है। यह युद्ध शक्तिशाली सेनाओं के विरुद्ध है।

Creation Autonomous Academy

जहां कार्य करना कठिन है टीम को बुलाएँ और बातचीत करें। जब मीटिंग बुलाएँ बातचीत करें कि कैसे प्रत्येक जन कठिन कार्य कर रहा है। प्रत्येक के कठिन कार्य को दिखाएँ। प्रत्येक से कहें कि जिन महत्वपूर्ण कठिन चुनौतियों का सामना वे कर रहे हैं उन्हें बताएँ। जब वे कठिनाइयों को बताते हैं ध्यान पूर्वक सुनें। एक विशेष भाग में जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं वे उसे जानते हैं। लेकिन जब वे तनावों के बारे में बात करते हैं तब उनकी ताकत बढ़ जाती है। उनकी आँखें चमकने लगती हैं और वे दृढ़ हो जाते हैं। वे इस प्रकार की भाषा का उपयोग करते हैं, ‘यह हमें ऊपर उठा रहा है।’ ‘यह कठिन है, लेकिन यह खेल के समान है।’ निरन्तर प्रार्थना करें, वांछित ऊँचाई पर पहुँचें और उत्सव मनाएँ।

मैं सोचता हूँ, 'इसलिए वह एक प्रकार की कठिनाई है ऐसे मानो खेल हो और प्रेरित कर देने वाली कठिनाई हो। मेज के चारों ओर बैठे टीम के सदस्य कुछ अलग प्रकार की कठिनाईयों को सामने लाते हैं। वे अपनी चुनौतियों में अलग प्रकार की भाषा का उपयोग करते हैं। वे कैसे रात को सो नहीं पा रहे हैं इसके बारे में बात करते हैं। वे चिन्तित होते हैं कि यदि वे जिन प्रोजेक्टों को देख रहे हैं उनमें एक नए सर्वोत्तम रिकार्ड को नहीं रखेंगे तो वे अपनी नौकरी खो देंगे।

यह एक और प्रकार की कठिनाई है, यह बहुत कठिन है।

यदि यह हमारे लिए लाभकारी है तो सेवा के बारे में सोचें। दो तरीके से कार्य करें: 'करने योग्य कठिनाई' बनाम 'न करने योग्य कठिनाई' सेवा में कुछ चीजें हैं जो समझने में कठिन हैं। यदि आप किसी की शिष्यता करने में किसी की सहायता कर रहे हैं जो प्रभु पर विश्वास करने के पहले स्वकेन्द्रित जीवन जी रहा था। तो आपने अपने कार्य को समझ लिया है। यह कठिन कार्य है किसी को आत्मिक बातों को सीखने की तरफ लाना। लेकिन यह आपके जीवन को बनाएगा और आपकी आत्मा को ऊँचा उठाएगा। इस प्रकार के कार्य करें। तब हम सब करने योग्य कठिनाई पर सहमत होंगे।

वे सब सहमत होते हैं इसलिए मैं आगे बढ़ना जारी रखता हूँ। 'एक समान'। यदि आप एक सप्ताह में पाँच नए संदेशों को एक साथ रखते हैं और आप जानते हैं कि आपके लिए इस सप्ताह में तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं है। यह सम्भव है हम कहें कि यह न करने वाली कठिनाई है।

हम लगातार उदाहरण रखते हैं क्या करने वाली कठिनाई है और क्या न करने वाली कठिनाई है। तब प्रत्येक के साथ दो समझौते बनाते हैं। पहले समझौते में हम सब को उत्साह की आवश्यकता है। इसे करने योग्य कठिनाई की श्रेणी में रख्ना है।

यदि हम आसान व्यवसाय चाहते हैं तब हम सेवा के बाहर कुछ करना चाहते हैं।

दूसरा समझौता हम बनाते हैं जब हम देखते हैं कि सेवा न करने वाली कठिनाई में चली गयी है। हम झण्डे को ऊँचा उठाते हैं और कैसे अपेक्षाओं को सही कर सकते हैं इसके बारे में एक दूसरे से बातचीत करते हैं। अथवा भूमिका बदलने के बारे में अथवा वेदी के कार्य के बारे में बातचीत करते हैं। हम कोई ऐसा कार्य नहीं करते जिससे हमारी आत्मा, हमारे शरीर, हमारे विवाह और हमारी क्षमता नष्ट हो। बल्कि हम ऐसा कार्य करते हैं जिससे सेवा बढ़े।

हम पूरी टीम के साथ इन विचारों के विषय में बातचीत करते हैं। यदि हम ऐसे कार्य कर रहे हैं जिससे परमेश्वर का कार्य नष्ट हो रहा है। तो कुछ चीजों में शीघ्र बदलाव लाना चाहिए।

Creation Autonomous Academy

6-एक मोल सिस्टम विकसित करें।:-

जिम्मेदार अगुवों को प्रबन्धन के स्कूल आज्ञाओं की श्रृंखला के साथ ठहरना सिखाते हैं। जब वे सूचना लेकर आते हैं कि उनके संगठन में क्या हो रहा है। दूसरे शब्दों में आप वो लोग हैं जो आपको सीधे रिपोर्ट करते हैं उनसे बातचीत कर सकते हैं।

एक जिम्मेदार अगुवे को कई चैनलों द्वारा यह जानना आवश्यक है कि उसके संगठन में क्या हो रहा है। कुछ व्यक्तियों को खोजें जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, कलीसिया से प्रेम करते हैं, आप से प्रेम करते हैं और वे पर्याप्त उत्साह के साथ सत्य को आपको बताते हैं। उनको सुनें।

7-क्या यह करने योग्य है।:-

कलीसिया का विकास होता है, दान आता है। परन्तु बहुत गिने चुने बिल उनसे भुगतान हो पाते हैं। यह विजय और जीने के लिए असम्भव होता है। हमें निर्माण करना चाहिए, साधन लाना चाहिए और लम्बे समय तक जीने के लिए योजना बनाना चाहिए।

अच्छे अगुवे लोगों से ऊँचे समर्पण के लिए बुलाए जाते हैं।, 'वे दर्शन को बताते हैं और कहते हैं, यदि हम एक साथ हैं तो हम इस पर्वत को जीत ले सकते हैं।' लेकिन रास्ते के कुछ बिन्दुओं पर वे स्वयं से पूछें कितनी पहाड़ियाँ वे अपनी कलीसिया से एक निर्धारित समय में चढ़ने के लिए कहते हैं? कितने लोग ऐसा कर पाते हैं?

जब नयी पहल बोर्ड के सामने प्रस्तुत की जाती थी तो कभी-कभी ही वह एप्रूव्ड हो पाती थी। अधिकांश समय लोग गुस्सा हो जाते थे। क्या यह सम्भव है? कुछ प्रश्न पूछें, 'क्या यह परमेश्वर के राज्य की बढ़ोत्तरी के लिए है? क्या हम इसे अच्छी तरह से लांच कर सकते हैं? क्या यह जीवनदायक है? क्या हम ऐसा कर सकते हैं?

Creation Autonomous Academy

हमने मिशन का कार्य आरम्भ किया, मिशनरी बढ़ाया। लगातार उसके खर्चे बढ़ते गए। वे साल दर साल बढ़ते ही रहे। एक समय आया जब यह सोचना पड़ा क्या हम ऐसा कर सकते हैं? ऐसा निरन्तर बनाए रख सकते हैं?

8-बन्द न करें।:-

नयी पहल को आरम्भ करने से पहले पूरे विवरण को देख लें कि सही प्रकार से लांच कर सकते हैं या नहीं। 'बन्द न करें।' जो आपको अगला अवसर देगा। प्रभु यीशु ने सिखाया यदि आप युद्ध में जा

रहे हैं तो जानें कि क्या -क्या आपके विरुद्ध है। यदि आप एक भवन का निर्माण करने जा रहे हैं वह सलाह देता है कि आप अपने वजट को जानें और उस पर बने रहें। अथवा आप कभी भी निर्माण पूरा नहीं कर पाएंगे।

आशा है आप पहलकदमी के लिए उत्साहित होंगे। लोगों की यह समझने में सहायता करें कि क्यों आप ऐसा करना चाहते हैं। लेकिन अपने तरीके के प्रत्येक कदम के बारे में अपने से ऊँचे को रखें। अपनी योजना को जानें, परखें और अपने साधनों का प्रबन्धन करें। ऐसा करने के द्वारा आप भरोसा प्राप्त करेंगे। भविष्य में इससे अच्छा और अधिक करने का अवसर मिलेगा।

9-संदेशः-

यदि किसी स्टाफ को कोई समस्या है तो वह उसके समाधान के लिए अपने सुपरवाइजर के पास जाए। यदि सुपरवाइजर समस्या का समाधान नहीं कर पाता तो वह सीधे अपने अगुवे को संदेश भेजे। इसका माध्यम ईमेल, एस एम एस या इस प्रकार अन्य माध्यम हो सकते हैं।

10-तथ्य आपके मित्र हैं।ः-

तथ्यों को जानें और समस्या का समाधान करें। मुख्य क्षेत्रों का मूल्यांकन करें और प्रत्येक को प्रभावशाली बनाएँ। लोगों को परमेश्वर के पास लाएँ। नये विश्वासियों की मसीह में बढ़ने में सहायता करें। नयी पीढ़ी को विश्वास में बढ़ने के लिए प्रेरित करें। टूटे संसार की समस्या समाधान करने में सहायता करें। इन सब के बारे में मूल्यांकन करें और एक नम्बर दें। इन नम्बरों को फ्लीप चार्ट पर लिखें। प्रत्येक जाने और इस बात के लिए कार्य करे कि चर्च कैसे कार्य कर रहा है, यह कैसे और अच्छा हो। प्रत्येक सकारात्मक विचार को एकत्र करें, उसे स्वीकार करें। समय -समय पर ऐसा करते रहें।

तथ्य आपके मित्र इसलिए नहीं होते क्योंकि आप डरते हैं उससे जो वे प्रकट करेंगे। तथ्यों को गर्म करना अरम्भ करें। आप समझना और महसूस करना आरम्भ करेंगे। जब आप स्पष्ट होंगे, डाटा पाएँगे, आप अच्छी योजना बना सकते हैं। आप और अच्छा निर्णय ले सकते हैं। कुछ और कोर्स का चार्ट अपने चर्च के लिए बना सकते हैं। भय में छिपाने की अपेक्षा आप सभा, बोर्ड मेम्बर और स्वयंसेवकों के बारे में तथ्यों को पाएँगे। वे तथ्य अन्ततः आपके मित्र हैं।

Creation Autonomous Academy

11-सच्ची आलोचना को पाएँ।:-

यदि आप इसे पहचान लेते हैं तब आप इसमें बढ़ेंगे अपेक्षा इसके कि आप आत्मरक्षा को विकसित करें। इन सच्चाइयों से सीखते रहें। एक दिन ऐसा आएगा कि आपकी आलोचना कम हो जाएगी। सीखते रहें, अच्छा करें और बुद्धिमानी से संचालित करें। ये आकर्षक सहमति की गोलियाँ हो जाएँगी।

मैं इस शिक्षा को नहीं भूलता। 'सच्ची आलोचना को पाएँ' यह कठिन अनुशासन है। जब अपने बारे में सुनते या पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्र में पढ़ते हैं आप पूछ सकते हैं कि यहां सच्ची आलोचना कहाँ है।

12-प्रत्येक सैनिक पर निश्चित आज्ञा है।:-

प्रत्येक सैनिक को विजय की बधाई दें। कुछ खून से लथपथ होंगे, कुछ चोट खाए होंगे, कुछ थके होंगे। प्रत्येक को जीत की बधाई दें। युद्ध की गर्मी में अवश्य है कि अगुवे क्रिया के केन्द्र में हों। यह अगुवा है जो सबसे पहले दबाव महसूस करता है, सबसे पहले आवाज को सुनता है, सबसे पहले गंध को सूँघता है और रास्ते को समझता है। किसी और की अपेक्षा चीजों या घटना के होने को अगुवा स्वयं समझता है। प्रत्येक सैनिक के पास निश्चित आज्ञा है।

वे अगुवे जो ज्वलंत दबाव में हैं उनका स्थान वातानुकूलित कार्यालय नहीं है। कमाण्डर देखे जा सकते हैं। वे सैनिकों को आदेश देते हैं। वे उन्हें उत्साहित करते हैं।

अगुवे निश्चित करें संगठन में सुपरवाइजर और स्टाफ को देखा जा सके। वे उपस्थित हों, उत्साही हों और बिना गलती किए युद्ध में हों।

1 पत० 5:8 में पतरस कहता है, 'संयमी और सचेत रहो। तुम्हारा शत्रु शैतान गर्जने वाले सिंह की भाँति इस ताक में रहता है कि किसको फाड़ खाए।

हम आत्मिक युद्ध में संलग्न हैं जो मन, मस्तिष्क और आत्मा में है। हम या तो लोगों को अनन्त जीवन की ओर ले जा सकते हैं अथवा अनन्त मृत्यु की ओर ले जा सकते हैं। सभी जगह एक वास्तविकता है कि हम परमेश्वर के राज्य के युद्ध में हैं। प्रभु जानता था, वचन का प्रचार करें और हम उस पर विश्वास करें।

Creation Autonomous Academy

अगुवाई का वरदान परमेश्वर देता है और वह चाहता है कि हम उसे युद्ध में उपयोग करें। हम बहुत बड़े युद्ध में हैं। जो विश्वास से अगुवाई करते हैं वे निश्चित भाग प्राप्त करेंगे।

13-मानसिक अवकाशः-

मानसिक अवकाश है कुर्सी से उठ जाना, शक्ति पाना और घूमना। यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है कि मैं कहाँ जाऊँगा। मुख्य बात है स्थान बदलना, कमरा बदलना, और ताजी हवा लेना। दस-पन्द्रह मिनट के बाद खून तेजी से धमनियों में बह रहा है, मेरी शक्ति बढ़ गयी और मेरा मन तैयार है। मानसिक विश्राम के बाद नये विचार आते हैं। अगले पांच, सात या नौ मिनट उत्पादक कार्य करने का समय मिलता है।

आपका मन आत्मकेन्द्रीयता के अनुसार कार्य करता है। बार-बार यह नियंत्रण के बाहर चला जाता है। यह जानना आपकी जिम्मेदारी है कि कितने समय तक के बाद आपका मन शक्तिहीन होने लगता है। कैसे आप स्वयं अपने को अन्त में पाते हैं। कैसे पुनः शक्ति प्राप्त करते हैं। मानसिक अवकाश लें।

14-गति बनाम आत्माः-

जब अगुवे प्रभावशाली तरीके से अगुवाई करते हैं। वे उत्पादन बढ़ाने के लिए चरवाही करते हैं। ऐसा वे अपने स्वयं के जीवन के द्वारा करते हैं। जिस संगठन में वे कार्य करते हैं, वे अधिक स्टाफ जोड़ते हैं, अधिक पैसा इकट्ठा करते हैं और अधिक लोगों की देखभाल करते हैं। समय के साथ उनकी 'गति रेखा' ऊपर जाती है और सही दिशा में जाती है।

लेकिन चर्च के कार्य में इसकी अपेक्षा और अधिक प्रभावशीलता की आवश्यकता होती है। क्योंकि अच्छे पास्टर भी चाहते हैं कि उनकी आत्मा संगठन की सही गति में प्रगति करें। अगुवों के लिए यह एक चुनौती है। गति रेखा तो वर्ष प्रति वर्ष बढ़ती जाती है परन्तु आत्मिक रेखा ऊपर नहीं जाती है। अगुवे तेज गति से दौड़ते हैं परन्तु वे अन्तरात्मा में खालीपन का अनुभव करते हैं। तेज गति से दौड़ते समय स्वयं से पूछें कि, 'मैं आत्मिक उन्नति कर रहा हूँ या मैं इसे खो रहा हूँ?'

परमेश्वर के साथ मेरे सम्बन्ध में मेरी आत्मिक रेखा ऊपर जा रही है अथवा यह नीचे जा रही है? क्या परमेश्वर की उपस्थिति से दूर हो रहे हैं? क्या उसके कार्य पर अधिक भरोसा रख रहे हैं? क्या अपने जीवन के द्वारा आत्मा के फल प्रकट कर रहे हैं? क्या उसके राज्य के बढ़ने में हम सहायक हैं? यह सब कुछ मेरे और परमेश्वर के बीच में कैसे है?

Creation Autonomous Academy

मेरे परिवार और मित्रों के बीच मेरे सम्बन्ध में, मेरी आत्मिक रेखा ऊपर उठ रही है या गिर रही है? विशेष रुप से यह मेरी पत्नी व बच्चों से सम्बन्धित है। क्या मैं उनके जीवन पर ध्यान देने को बढ़ा रहा हूँ? क्या मैं उनके व्यक्तिगत विकास को बढ़ा रहा हूँ? अथवा उनके देखभाल के कार्यों में लिपटा हूँ?

आत्मिक उन्नति की तरफ समर्पित हों। यदि आपकी आत्मिक रेखा दुःखद स्थिति में है, यह समय है कि अपने आपको नम्र बनाएँ और अपनी गति को कम करें। प्रभु यीशु ने कहा, 'यदि मनुष्य सम्पूर्ण संसार को प्राप्त कर ले परन्तु आत्मा को खो दे तो क्या लाभ।'

15-क्या हम कुछ सीख सकते हैं?:-

असफलता में एक अगुवा क्या करे? यहाँ बहुत सारे विकल्प हैं: स्वयं को दोष दे, दूसरों को दोष दे, तथ्यों पर दोष लगाए, दूसरों की कमजोरियों की सूची जोड़ सकते हैं। परन्तु पूछें, 'क्या हम कुछ सीख सकते हैं?'

असफलता के बाद स्टाफ रचनात्मकता के मूल्य को समझे। यह कारण इस असफलता में सम्मिलित है। पैसों का राज्य नहीं परमेश्वर का राज्य। एक चीज निश्चित है कि विचार आते हैं।

अगुवे तुरन्त पूछें, 'क्या हम कुछ सीख सकते हैं?

भावनाओं का बदलाव भिन्न है। सम्भव ईमानदारीपूर्ण बातचीत आरम्भ होती है। यह बातचीत शिक्षा के क्षणों और भविष्य की प्रगति की ओर वास्तविक रुप से अगुवाई कर सकती है।

'क्या हम कुछ सीख सकते हैं?' मैं जानता हूँ कि असफलता के प्रति यह सर्वोत्तम प्रतिउत्तर है।

16-अपनी स्वयं की समापन रेखा बनाएँ।:-

सेवा के अगुवे लोगों के व्यवसाय में हैं। क्योंकि लोग कार्य की प्रगति में हैं। यहाँ कार्यों का अन्त नहीं है। हम उनकी सेवा अच्छी तरह से कर सकते हैं। यहां अधिक अपाइन्टमेन्ट हैं जो हमने लिया है, अधिक फालोअप काल्स हैं, अधिक हस्तलिखित नोट्स हैं, अधिक उत्साह प्रस्तुत है, अधिक प्रार्थना हम कर सकते हैं। यहां रेखा में एक चुनौती है और प्रश्न है: कब पर्याप्त समय है? अगुवों से पूछने पर कि कब कार्य समाप्त होगा? उत्तर मिलता है कलीसिया का कार्य कभी समाप्त नहीं होता और एक सेवा के अगुवे का कार्य कभी पूरा नहीं होता।

Creation Autonomous Academy

यदि आप एक दिन में दस घंटे से अधिक कार्य करते हैं तो आप गिरावट की तरफ बढ़ेंगे। आपकी प्रभावशीलता और परिणाम वास्तव में गिरावट में चले जाएँगे।

मेरा कार्य का समय प्रातःकाल 8:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होता है। 4:30 बजे मेरी मीटिंग समाप्त हो जाती है, मेरे सहायक अवकाश पर चले जाते हैं। यह मेरी दिन की समाप्ति रेखा है, मैं इसकी सुरक्षा करता हूँ। मैं इसका पूर्ण रुप से आनन्द उठाता हूँ। परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ।

प्रतिदिन की समाप्ति रेखा का अर्थ है कार्य स्तर जब मैं घर में हूँ। संदेश तैयारी का समय मैं अपने परिवार के सदस्यों को बता देता हूँ जिससे मेरी पत्नी व मेरे बच्चे मेरे सेवा के समय को अन्य कार्यों में लगाने के लिए न कहें।

अपनी स्वयं की प्रतिदिन और साप्ताहिक समापन रेखा की रचना करें। मेरे पास समापन रेखा है मैं सोचता हूँ कि आप भी ऐसा कर सकते हैं। इससे आपकी प्रभावशीलता बढ़ेगी।

मासिक समापन रेखा 30 दिन होनी चाहिए। यदि आपने अपनी समापन रेखा निश्चित नहीं किया है तो अभी करें। प्रतिदिन, साप्ताहिक, मासिक व वार्षिक समापन रेखा निश्चित करें । आप इसे भूलें नहीं छोड़ें नहीं।

17-आइए भूमिका बनाएँ।:-

अगुवों की आवश्यकता होती है कि वे और अच्छा करें। महान शिक्षक चाहते हैं कि वे और अच्छा पढ़ाएँ। महान दर्शन बताने वाले चाहते हैं कि वे दर्शन को और अच्छी तरह बताएँ। महान टीम बनाने वाले चाहते हैं कि वे और अच्छी टीम बनाएँ। वे प्रत्येक चीज अच्छी तरह से करना चाहते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि ऐसा निरन्तर करना मुख्य मूल्यों को बढ़ाता है।

एक तरह से विकास हो सकता है वह है कि पुनः भूमिका बनाने के अभ्यास करने का अनुशासन कायम किया जाए।

पुनः बनाने का अर्थ है कि आरम्भ से अन्त तक का मूल्यांकन करें। यह तात्कालिक क्रिया का ईमानदारी से मूल्यांकन है और यह पहचानने का कि क्या हो रहा है। क्या अच्छा नहीं हो रहा है और क्यों अच्छा नहीं हो रहा है? पुनः बनाना न्याय करने और दोष लगाने के विषय में नहीं है। यह अच्छे और बुरे की जिम्मेदारी लेने के बारे में बातचीत है। यह प्रत्येक अगुवाई से सीखने के बारे में है। नए विचारों को लाएँ, कैसे और अच्छा किया जाए।

Creation Autonomous Academy

18-कीमत अभी चुकाएँ खेलें बाद में।:-

उच्च क्षमता वाले अगुवे जानते हैं कि सफल बनने के लिए क्या चीजें वे अपने हाथ में रखेंगे। वे अवश्य स्वयं को अनुशासित करते हैं कि कठिन कार्य को पहले करें। निर्माण करते समय गहरा गड्ढा खोदकर नींव डालें, इसके पहले कि इमारत खड़ी करें और खिड़कियाँ लगाएँ।

खेलने के पहले कीमत अदा करें।

कठिन कार्यों को पहले करें। आप पहले खेल नहीं सकते, अवश्य पहले मूल्य चुकाएँ। एक पूरे दिन मूल्य चुकाने के बाद तब पाते हैं 'खेल' यह बहुत ही मधुर है। प्रयत्न करें। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि आप इसे पसन्द करेंगे।

19-क्या हम अभी भी खेल में हैं?:-

रोमि० 8:6 कहता है, 'शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ती है।'

अगुवाई में हमारी एक जिम्मेदारी है एक तरीके से उनकी अगुवाई करना। जितना सम्भव हो सके उनके कार्य को करें। जीवन और शान्ती में एक स्थान की तरफ उनकी अगुवाई करें। क्या वे सही पोजीशन में हैं? क्या वे सही बोझ उठा रहे हैं? क्या सांगठनिक प्रत्याशाएं स्पष्ट हैं? क्या हम अभी भी खेल में हैं? क्या जो परमेश्वर ने कहा है वह हम कर रहे हैं? जो कार्य हम कर रहे हैं उनमें क्या हम जीवनदायक भूमिका अदा कर रहे हैं? यदि जो परमेश्वर ने करने के लिए कहा है वह आप कर रहे हैं और सही संगठन में कर रहे हैं। सही सीट पर सही संगठन के साथ कर रहे हैं। इससे आपको संतुष्टि मिल रही है। प्रश्न पूछने पर उत्तर में मुस्कराहट मिलती है तो हम जान जाते हैं कि हम सही दिशा में हैं। जो मैं करता हूँ क्या मैं उससे प्रेम करता हूँ? यदि उत्तर नहीं में मिलता है तो खतरा आरम्भ हो गया है।

Creation Autonomous Academy

20-भेंड़ को पीटें नहीं।:-

कलीसियाई अगुवाई के जीवन में बहुत बार हताशा आती है। आपने नया सुसमाचार प्रचार आरम्भ किया है। सोचते हैं कि कुछ सदस्य इसमें भाग लेंगे लेकिन मात्र आधे सदस्यों ने ही सहमति प्रकट किया। आप अपने क्षेत्र में लोगों की सहायता करना चाहते हैं किन्तु कुछ ही स्वयंसेवक वहाँ होने के लिए प्रतिज्ञा करते हैं।

इसलिए कलीसिया कार्य की प्रत्याशाएँ पूरी नहीं होती, लक्ष्य प्राप्त नहीं हो पाते हैं। जिस तरह से हम सोचते हैं उस तरह से परिणाम नहीं मिल पाता है। जब ऐसा होता है तब एक अगुवे के अन्दर एक प्रतिक्रिया आती है: मैं अवश्य भेंड़ों को पीटूँगा।

'वे खतरनाक भेंड़!' अगुवा सोचता है। यदि वे सही व्यवहार करें तो सुसमाचार प्रचार की घटना को अधिकाई से कर सकेंगे, घर बना सकेंगे, धन इकट्ठा कर सकेंगे। लेकिन नहीं, उन्होंने सहयोग देना छोड़ दिया और अब देखो हम कहाँ हैं।

आप उन दिनों के चरवाहों के बारे में सोचते हैं जो एक लम्बी छड़ी लिए रहते थे। जिस तरीके से उन्हें चलना था जब वे नहीं चलती थीं 'बुरी भेंड़ें!' आप असमर्पितों को खींचना चाहते हैं, कठोर हृदय से आप कई शब्दों को बताना चाहते हैं कि वे मजबूत हों और कार्यक्रम को समझें। आप उन्हें अनुशासित करना चाहते हैं जिससे कि वे आपके प्रत्येक विचारों पर पूर्ण रुप से समर्पित हों।

मेरी पूरी सेवा के दौरान मैंने समझा है कि एक चीज सभी जगह सत्य है: यदि मैंने सही सेवा को, सही समय में, सही तरीके से बताया है और इसके पीछे सही भावना है तो भेंड़ें हताश नहीं होंगी। जब हम उचित प्रश्नों को पूछने का दर्द उठाएँगे तो अपनी भेंड़ों के प्रभावी सहयोग को देखेंगे। प्रश्न इस प्रकार है: क्या यह एक अच्छी योजना है? क्या यह हमारी कलीसिया के दर्शन के कदम में है? क्या मैंने इन मूल्यों को वचन की प्रभावशाली शिक्षा के साथ गर्म किया है? क्या लोगों से मेरी अपेक्षाएँ उचित हैं? क्या हमने इस सप्ताह की सही रात्रि को चुना है? क्या मैंने प्रभावशाली तरीके से बातचीत किया है? क्या हमने प्रार्थना किया है?

हताशा के समय इस प्रकार की सूची के प्रयोग से आप जान सकेंगे कि यह सम्पूर्ण रुप से भेंड़ की असफलता नहीं है। रविवार को प्रातः छड़ी लेने की अपेक्षा संगठन की सांगठनिक जिम्मेदारी लें।

यदि आपकी भेंड़ वैसा प्रतिउत्तर नहीं दे रही है जैसा कि आप चाहते हैं या सोचते हैं। तब अपनी छड़ी को नीचे रख दें। पहले आप स्वयं से कुछ प्रश्नों को पूछें। देखें कि आपने अपने भेंड़ की अच्छी सेवा की है। क्योंकि जब उनकी अच्छी सेवा की जाती है वे अच्छा प्रतिउत्तर देती हैं। मित्रों भेंड़ को न पीटें। एक प्रेम का शब्द प्रत्येक के साथ उपयोग करें, लेकिन छड़ी को बाहर रखें।

Creation Autonomous Academy

अध्याय-10

व्यक्तिगत विश्वासयोग्यता

1-गुरु बनाएँ।:-

आज एक सबसे गर्म ट्रेण्ड है कि मेन्टरिंग की मांग बढ़ रही है। मेन्टरिंग को प्रत्येक व्यक्ति चाहता है।

इस प्रश्न के पीछे प्रत्याशा क्या है?-क्या आप मुझे सुनेंगे और परामर्श देंगे, मुझे मोड़ेंगे और आकार देंगे, निर्देश देंगे और प्रशिक्षण देंगे, मुझे जबाबदेह बनाएँगे? क्या आप मेरे गुरु बनेंगे? जितना पैसा आप कहेंगे हम देने के लिए तैयार हैं।

एक आधारभूत समस्या है कि गुरु खरीदा नहीं जा सकता है।

बुद्धिमान गुरु अवास्तविक रुप से सिखाने के लिए कभी तैयार नहीं होगा।

हम सबको गुरु की आवश्यकता है। अनेक अगुवे शिकायत करते हैं कि वे इसलिए संघर्ष कर रहे हैं कि किसी ने उन्हें सिखाया नहीं, कोई उनका गुरु नहीं बना। आप जाएँ और जो आपकी आवश्यकता है उसे प्राप्त करें। समय-समय पर किसी बुद्धिमान व्यक्ति को अपना गुरु बनाएँ। जिससे आपकी शिक्षा की आवश्यकता पूर्ण होगी।

Creation Autonomous Academy

2-किस प्रकार के जीवन की आप प्रतीक्षा कर रहे हैं?:-

प्रभु के पीछे चलने वाला जीवन। यह अगुवाई का जीवन है। यह विश्वासयोग्यता का जीवन है।

3-अगुवाई करें।:-

जब आप देखते हैं कि कुछ अच्छा चल रहा है। जब प्रकाश अंधेरे में चमकता है तब नजदीकी से देखें। वहां एक अगुवा खड़ा है जो मोमबत्ती को पकड़े हुए है। काफी समय से आप अंधेरे में चले जा रहे हैं अचानक एक छोटे गांव या शहर में दूर रोशनी चमकती है। यह अंधेरेपन को दूर करती है और आशा देती है।

आज हमारे परिवारों के लिए आशा है। पूरे संसार में सभी जगह परिवार हैं जहाँ चीजें अच्छी हो रही हैं। माता-पिता प्रेमी सम्बन्ध में कार्य कर रहे हैं। बच्चे ईश्वरीय सम्मान के वातावरण में उठ रहे हैं। परिवार जीवन की तरफ बढ़ रहे हैं।

कलीसिया में आशा है। कई महत्वपूर्ण योजनाएँ कार्य कर रही हैं। वे अपने समुदाय को भी परिवर्तित कर रही हैं। हमारे व्यवसाय में आशा है। कुछ गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बना रहे हैं। मुनाफे कमा रहे हैं। हमारे पड़ोसियों में आशा है। जहाँ लोग एक दूसरे का बोझ उठा रहे हैं। जिन समस्याओं का वे सामना कर रहे हैं उनका रचनात्मक समाधान लागू कर रहे हैं।

कुछ चीजें अच्छी हो रही हैं तो उनके पीछे कोई अगुवा है। अच्छी चीजों के पीछे एक अगुवाई है। परमेश्वर को सम्मान देने वाली अगुवाई। यह आपके चर्च, परिवार, व्यवसाय और समुदाय सभी के लिए सत्य है। अगुवे सही तरीके से अगुवाई करें। रोमि० 12:8 कहता है, ‘या वह जो उपदेशक है, वह उपदेश देने में, दान देने वाला उदारता से दे, नेतृत्व करने वाला परिश्रम से करे, दया करने वाला प्रसन्नतापूर्वक करे।’

अगुवे अर्थपूर्ण कदम लेते हैं।

वे बदलाव के लिए दर्शन को बताते हैं।

Creation Autonomous Academy

वे अगुवाई की ऊँची कीमत अदा करने के लिए व्यक्तिगत रुप से समर्पित होते हैं।

वे अपनी नींद त्यागते हैं, अपनी सर्वोत्तम शक्ति लगाते हैं और वे दर्शन के अनुसार चलते हैं जो कुछ भी उनके पास होता है।

अन्ततः प्रकाश बड़ा होता है। प्रकाश अंधकार को एक मिलीमीटर और पीछे धकेल देता है।

सभी प्रगति के पीछे एक अगुवा होता है। परमेश्वर द्वारा अनुमोदित विधि से संसार परिवर्तित होता है।

4-मुख्य मूल्यः-

क्या मूल्य और कायलताएँ हैं जिनका आप अनुभव करते हैं। हो सकता है वे बाइबल अध्ययन हों। हो सकता है दर्द से चंगाई हो। अथवा वे पवित्र आत्मा के बोलने के परिणाम हों जो आपके लिए हों। पता लगाएँ वे क्या हैं। उनको बताएँ जिनकी आप अगुवाई कर रहे हैं। जिस प्रकार से सेवा में अभ्यास चाहते हैं अपनी अगुवाई में उसी प्रकार के मूल्यों के अनुसार जीवन जिएँ।

5-सभी जगह ऊँचा रास्ता लें।ः-

आशीष दें जिसे आप आशीष दे सकते हैं। प्रत्येक को धन्यवाद कहें जिन्हें आप धन्यवाद कह सकते हैं। सम्मान करें जिनका आप सम्मान कर सकते हैं। इसे पूरा करें।

हमेंशा ऊँचा रास्ता लें।

नीतिवचन 22:1 कहता है,‘अपार धन से अच्छा नाम चाहने योग्य है, चाँदी और सोने की अपेक्षा प्रशंसा पाना उत्तम है।

6-पढ़ें सब कुछ जो आप पढ़ सकते हैं।ः-

अगुवाई की तीन पुस्तकों के नाम क्या हैं जिनको आपने अन्तिम बारह महीनों में पढ़ा है? अपनी अगुवाई को अच्छा बनाने के लिए पुस्तकों को पढ़ें। रोमि० 12:8 कहता है नेतृत्व करने वाला परिश्रम से करे। परन्तु मैं कैसे नेतृत्व कर सकता हूँ जब मैं पढ़ता नहीं। अगुवों की जिम्मेदारी है कि वे पढ़ें। सभी महान अगुवे पढ़ते हैं।

जब आप पढ़ते हैं तब आप सूचनाओं को अपने अवचेतन मन में आमंत्रित करते हैं। आप पूरे दस घंटे पुस्तक को कवर से कवर तक पढ़ने में बिताएँ आप पाएँगे कि आप बुद्धिमान नहीं हैं। अगुवाई की समस्याओं को आप बाद में समाधान कर सकेंगे क्योंकि आपने उस पुस्तक को पढ़ा है। यदि आप गम्भीर मस्तिष्क के अगुवे हैं तो आप पढ़ेंगे। आप उस सबको पढ़ेंगे जो आप पढ़ सकते हैं। यह आपको अच्छा अगुवा बनाएगा।

Creation Autonomous Academy

7-कुछ का नेतृत्व करें।ः-

कई वातावरण में जिनमें आप अपने नेतृत्व के वरदान का अभ्यास करते हैं, तब वह वरदान मजबूत होता है।

अगुवे तभी अच्छे बनते हैं जब वे कार्य पर होते हैं, दिन प्रतिदिन कार्य का अभ्यास करते हैं। लेकिन सर्वोत्तम तरीके से अगुवे अच्छे बनते हैं जब वे कुछ का नेतत्व करते हैं। 'मुख्य चीज।'

8-शीघ्र पहुँचें।ः-

प्रभु यीशु ने कहा तुम्हारी बातें हाँ की हाँ और न की न हों। जब मैं कहता हूँ हाँ मेरे मित्रों के साथ अमुक समय अमुक स्थान पर मीटिंग है। तब मैं अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपने शब्द की रक्षा के लिए सब कुछ करुंगा। यह बोलना चरित्र के बारे में है। अगुवे नियम के बाहर नहीं हैं। जो चरित्र को निर्धारित करते हैं।

9-मैं इसे पैसे के लिए नहीं करुंगा।ः-

संसार में इतना पैसा नहीं है जो मुझे प्ररित कर सके कि जो मैं चाहूँ वह करुँ। लेकिन यहाँ एक प्रकार की चुनौती है। मैं पैसे के लिए परमेश्वर का कार्य नहीं करुँगा। बल्कि इसलिए करुँगा क्योंकि मैं परमेश्वर की संतान हूँ।

10-हमें सबकी आवश्यकता है।ः-

लोगों से कहें क्या आप हमारी सहायता करेंगे? 2 तीमु० 4:17 में पौलुस कहता है, 'परन्तु प्रभु मेरे साथ खड़ा हुआ और उसने मुझे सामर्थ्य दी कि सुसमाचार का मेरे द्वारा पूरा-पूरा प्रचार हो जिससे सब अन्यजातियाँ सुनें। मैं तो सिंह के मुँह से छुड़ाया गया।

कोई पौलुस के साथ नहीं खड़ा हुआ, लेकिन परमेश्वर नजदीक आया। परमेश्वर उसके साथ खड़ा हुआ। परमेश्वर उसे ले गया। परमेश्वर ने उसे सामर्थी बनाया।

परमेश्वर की उपस्थिति की सामर्थ्य को महसूस करें कि आप अकेले नहीं हैं। परमेश्वर की तरफ बढ़ें, परमेश्वर आपकी तरफ बढ़ेगा। वह आपकी आत्मा को पुनः स्थापित करेगा। वह आपको उत्साहित और प्रेरित करेगा। वह आपको चंगा करेगा और पुनः स्थापित करेगा। वह अगुवों को आपके साथ खड़ा करेगा जो आपके लिए प्रार्थना करेंगे और आपके साथ चलेंगे।

हमें अपने सभी मित्रों की आवश्यकता है जिनकी हम अगुवाई कर रहे हैं। परमेश्वर के राज्य विस्तार के लिए सभी की हमें आवश्यकता है।

11-उत्कृष्टता परमेश्वर का सम्मान करती है और लोगों को प्रेरित करती है।ः-

Creation Autonomous Academy

अगुवे प्रत्येक भाग में अन्तरगुणवत्ता नियंत्रण मैकेनिज्म रखते हैं। वे उत्कृष्टता को पकड़े रहते हैं। यह उच्च स्तर पर प्रभावशीलता को पाने की तरफ ले जाता है और किसी को जिम्मेदार बनाता है।

मलाकी 1:16 में परमेश्वर कहता है, 'पुत्र अपने पिता का, और दास अपने स्वामी का आदर करता है। फिर यदि मैं पिता हूँ तो मेरा आदर कहाँ है? और यदि मैं स्वामी हूँ, तो मेरा भय मानना कहाँ है? सेनाओं का यहोवा तुम याजकों से जो मेरे नाम को तुच्छ जानते हो, यही बात पूछता है। परन्तु तुम कहते हो, 'हमने किस बात में तेरे नाम को तुच्छ जाना है?'

परमेश्वर ने इस्राएल से कहा कि वह उनके विरुद्ध है। उन्होंने जो किया गलत था अन्ततः उन्होंने पूछा 'हम क्या करें?' परमेश्वर के स्थान में भविष्यद्वक्ता मलाकी बोला तुम क्या करो? तुम बलिदान के विषय में व्यवस्था जानते हो। तुम जानते हो कि परमेश्वर को सर्वोत्तम भेंट चढ़ाना है। सर्वोत्तम, सबसे कीमती मेमना अपनी भेंड़ों में से चुनकर परमेश्वर को भेंट चढ़ाना है।

इससे हमें शिक्षा मिलती है कि हम जो कुछ भी करें परमेश्वर के लिए सर्वोत्तम करें। जो कुछ करें उसके द्वारा परमेश्वर को सम्मान मिले। सभी समय अगुवाई में, प्रचार में, संगति में, प्रशासन में प्रभु यीशु को सम्मान मिले। प्रभु यीशु को प्रत्येक समय सर्वोत्तम भेंट चढ़ाएँ।

हम उत्कृष्ट के लिए लड़ते हैं क्योंकि उत्कृष्टता परमेश्वर का सम्मान करती है। यह उत्कृष्टता है जो लोगों को प्रेरित करती है। यह उत्कृष्टता है जो हमारे आत्मिक शत्रु को परेशान करती है।

12-गलतियों को प्रवेश दें और आपका स्टाक ऊँचा हो जाएगा।:-

गलतियों को प्रवेश न करने दें और उनके स्टाक को बढ़ाएँ नहीं बल्कि कम करें। अपनी गलती को छिपाएँ नहीं बल्कि स्वीकार करें। कहें यह मेरी गलती है। पश्चाताप करें और सुधार करें।

13-अपने परिवार के लिए संघर्ष।:-

Creation Autonomous Academy

अगुवाई की पहली परीक्षा है परिवार की परीक्षा, किसी और परीक्षा को देने से पहले इस परीक्षा को पास करना आवश्यक है।

1 तीमु० 3:12 के अनुसार 'धर्मसेवक एक पत्नी का पति हो और अपने बाल बच्चों तथा परिवार का अच्छा प्रबन्धक हो।'

कलीसिया के अगुवे की एक योग्यता है कि अपने घर का अच्छा प्रबन्धक हो। यदि आप इसे सही नहीं कर सकते, तब आप अगुवे की जिम्मेदारी नहीं पा सकते।

अगुवाई की पहली परीक्षा जो प्रतिदिन, प्रति सप्ताह, प्रत्येक माह पास करने के लिए है वह है 'मेरे परिवार की अच्छी अगुवाई।' क्या मैं अपने परिवार के लिए सकारात्मक दर्शन बता रहा हूँ? क्या मैं उन्हें प्रेरित कर रहा हूँ? क्या मैं उन्हें एकता में ला रहा हूँ? क्या मैं प्रभावी तरीके से बातचीत करता हूँ और घर में समस्याओं का समाधान करता हूँ?

14-अच्छी तरह समाप्त करें।:-

प्रश्न यह नहीं है कि हम कहाँ छोड़ें। प्रश्न है कैसे हम अच्छा छोड़ें? जब अन्ततः हमारी बारी आती है।

अच्छी तरह समाप्त करें। जब आप निराश होते हैं अपने बॉस को बातचीत के लिए आमंत्रित कीजिए। संगठन छोड़ते समय छोड़ने का कारण स्पष्ट करें। सकारात्मक रुप से जाने के लिए जो आप कर सकते हैं करें।

एक दिन आप अपने गृहकार्य को समाप्त करेंगे। परमेश्वर आपके साथ है।

Creation Autonomous Academy

Bibliography

(ग्रन्थावली)

1-Book Equip: John Maxwell, www.iequip.org

2- Powerful Leadership Proverbs, Other Bill Hybels, www.zondervan.com, Zondervan, Grand Rapids, Michigan 49530

3- A Uniqe Journey, Jim Stowal, Embassy Book Distributors, 120,Great Western Building, Maharashtra Chamber of Commerce Lane, Fort, Mumbai-400023, www.embassy books.in

4-Chirstian Leadership, www.gotquestions.org

5-Christian Lradership, www.Christian- Leadership.org

6-What is a Christian Leadership, www.xenos.org

7-Christian Leadership, www.ambascol.org

8-Mercy Pastoral Leadership, www.mercycenter.com

9-Best Christian Leadership, www.amazon.com

10-Christian Leadership, www.goodreads.com

11-Book on Leadership, www.christianitytoday.com

12-Leadership, www.christianbook.com

13-Foundational Principles of Leadership, https//bible.org

14-Principles of Effective Christian Leadership, www.unionchurch.com

15-Servant Leadership Principles, www.churchleadership.org

16-Powerful Leadership, www.christianpost.com

17-Equip Leadership, www.iequip.org

18-Five Levels of Leadership John Maxwell, www.cbn.com

19-John Maxwell: There,s No Shortcut to a Legacy, www.christianitytoday.com

Creation Autonomous Academy

प्रबंधन

Dr. Ram Raj David

Duluvamai, Manikpur, Pratapgarh,
Uttar Pradesh – 230202
Email: drramraj64@gmail.com

Creation Autonomous Academy